उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

बी पी एस न्यूज

सच का साथी.....

www.bpsnews.in

वर्षः 11 || अंकः 26 || पृष्ठः 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 27 जुलाई-2026

अंदर के पृष्ठ पर

अधिवक्ताओं ने फाड़ी संशोधन विधेयक 2026 की प्रतियां 7

नीट विवाद के बीच शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दिया इस्तीफा 5

छात्रों पर पुलिस एक्शन पर बिफरे राहुल गांधी

अमित शाह को पत्र लिखकर पूछा- आदेश किसने दिया?

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार को गृह मंत्री अमित शाह को एक खत लिखा है। इस पत्र में उन्होंने सवाल उठाया कि दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हमला करने का आदेश किसने दिया था। राहुल गांधी ने कहा कि वे 20 जुलाई को दिल्ली में शांति से अपनी बात रख रहे छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई की जवाबदेही तय कराने के लिए यह लेटर लिख रहे हैं।

छात्रों पर खतरनाक हथियारों का इस्तेमाल क्यों हुआ?

राहुल गांधी ने अपने खत में कहा कि छात्र सिर्फ एक साफ-सुथरी और सही शिक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे थे। लेकिन उनकी बात सुनने की जगह सुरक्षाबलों ने उन पर आंसू गैस और पेलेट गन जैसे खतरनाक हथियारों का इस्तेमाल किया। इस कार्रवाई में सैकड़ों छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

पेलेट गन के इस्तेमाल पर उठाए सवाल

राहुल गांधी ने आगे आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों ने छात्राओं के साथ भी बदसलूकी और मारपीट की। उन्होंने कहा कि मीडिया और सोशल मीडिया पर आई तस्वीरें और रिपोर्ट इस बात का सबूत हैं कि लोग कितने गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनमें एक पत्रकार भी शामिल है। राहुल गांधी ने बताया कि वे 19 साल के छात्र साहिल लोचब से मिले, जो पेलेट गन का छर्रा लगने की वजह से बेहद दर्द में है और उसकी एक आंख की रोशनी जाने का खतरा बना हुआ है।

पत्र में राहुल गांधी ने सीधे अमित शाह से सवाल पूछते हुए कहा, ÷दिल्ली पुलिस और सुरक्षाबल सीधे आपके अंडर आते हैं, तो क्या आपने पेलेट गन और इस तरह के बल प्रयोग की इजाजत दी थी? अगर आपने आदेश नहीं दिया, तो फिर छात्रों पर इस तरह की कार्रवाई की परमिशन किसने दी? सादे कपड़ों में लाठियां चलाते दिख रहे लोग पुलिस वाले हैं या कोई और? उन्हें वहां भेजने की इजाजत किसने दी?÷

लोकतंत्र में शांतिपूर्ण प्रदर्शन हर नागरिक का हक

राहुल गांधी ने कहा कि किसी भी लोकतंत्र में शांति से अपनी बात रखना और प्रदर्शन करना लोगों का अधिकार है। सरकार की जिम्मेदारी होती है कि वह प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा करे और बातचीत के जरिए उनकी समस्याएं सुलझाए। इस तरह की हिंसा लोकतंत्र के खिलाफ है और इससे पूरे देश के युवाओं में भारी गुस्सा है। छात्र अब सरकार से जवाब मांग रहे हैं और उनकी आवाज दबाई नहीं जा सकती।

छात्रों पर पुलिस की ज्यादती को लेकर संसद में सरकार को घेरेगा विपक्ष, पीएम से माफी की मांग पर रहेगा जोर

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्ष प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कथित ज्यादती को लेकर संसद में सरकार पर दबाव बनाए रखने की तैयारी में है।

इस दौरान वह छात्रों पर हमले के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से माफी की मांग करेगा।

सूत्रों ने हालांकि यह भी कहा कि संसद में विपक्ष की रणनीति और प्रश्नपत्र लीक रोधी दो वर्ष पुराने कानून में संशोधन से संबंधित विधेयक पर उसका रुख सोमवार सुबह संसद भवन में राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के कक्ष में होने वाली इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस(इंडिया) गठबंधन की बैठक में तय किया जाएगा।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर बर्बर हमले के लिए जवाबदेही तय करने की मांग की है।

उन्होंने यह भी पूछा कि छात्रों के खिलाफ पैलेट गन समेत घातक बल के इस्तेमाल को मंजूरी क्या शाह ने दी थी। गांधी ने पत्र में कहा कि शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किसी भी लोकतंत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और प्रदर्शनकारियों की रक्षा करना एवं बातचीत के माध्यम से उनकी शिकायतों का समाधान करना सरकार की जिम्मेदारी है।कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि इस तरह की क्रूर हिंसा सभी मर्यादाओं को लांघ देती है और इससे पूरा देश आक्रोशित है। देश का भविष्य, युवा और छात्र जवाबदेही की मांग कर रहे हैं।

उनकी आवाज सुनी जाएगी। कांग्रेस महासचिव एवं संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने पत्र साझा करते हुए कहा कि गांधी ने शाह से दो सवाल पूछे हैं। रमेश ने गांधी के सवालों का जिक्र करते हुए एक्स पर लिखा, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने गृह मंत्री अमित शाह से दो सीधे सवाल पूछे हैं।

पहला- गृह मंत्री होने के नाते, क्या आपने छात्रों के खिलाफ पैलेट गन सहित घातक बल के इस्तेमाल की मंजूरी दी थी? यदि नहीं, तो यह मंजूरी किसने दी? रमेश ने कहा कि गांधी ने दूसरा प्रश्न यह पूछा कि सादे कपड़ों में छात्रों पर लाठियां बरसाते जो लोग दिखाई दे रहे हैं, क्या वे पुलिसकर्मी हैं या स्वयंसेवक? उनकी तैनाती को किसने अधिकृत किया? गृह मंत्री को कल संसद में इन महत्वपूर्ण सवालों का जवाब देना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी को छात्रों से माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को छात्रों की जीत बताया है और कहा है कि प्रधानमंत्री को भी छात्रों से माफी मांगनी चाहिए।

70 हजार लोगों ने छोड़ा घर, मैड्रिड में धुएं का गुबार, प्रशासन ने जारी किया इमरजेंसी एलर्ट

» बीपीएस न्यूज

स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने बताया कि मैड्रिड के पश्चिमी इलाके में लगी भीषण आग पर काबू पाने और लोगों की जान बचाने के लिए दमकलकर्मी लगातार कोशिश कर रहे हैं। तेज हवाएं चलने की आशंका ने इस राहत और बचाव काम को और भी ज्यादा कठिन बना दिया है।

सरकारी जानकारी के मुताबिक, सूखे इलाकों में फैली इस आग की वजह से करीब 70,000 लोगों को अपना घर छोड़कर सुरक्षित जगहों पर जाना पड़ा है। स्थानीय अधिकारियों ने इसे इस पूरे इलाके के इतिहास की अब तक की सबसे भयानक और विनाशकारी आग करार दिया है।

प्रभावित इलाके सेनिसीएंटोस गांव पहुंचे पीएम सांचेज ने कहा, ÷हमारी सबसे पहली प्राथमिकता और मकसद लोगों की जान बचाना और रिहाइशी इलाकों की सुरक्षा करना है।÷ उन्होंने आगे सावधान करते हुए कहा, ÷आने वाले कुछ घंटे काफी मुश्किल भरे हो सकते हैं। भले ही तापमान थोड़ा कम हुआ है, लेकिन हवा की रफ्तार और उसकी दिशा को लेकर अभी कुछ कहा नहीं जा सकता।÷

ब्रुनेट शहर की मेयर मार निकोलस ने हालात पर चिंता जताते हुए कहा, ÷इस इलाके में हर साल आग की घटनाएं होती हैं, लेकिन इस बार का रूप बेहद खौफनाक है। यह एक बहुत बड़ी तबाही है।÷

आग का धुआं इतना भयानक है कि पूरी राजधानी के पश्चिमी हिस्से का आसमान धुएं से भर गया। सुबह-सुबह सेंट्रल मैड्रिड की सड़कों तक जलने की बदबू पहुंचने लगी, जिससे लोगों को गले में खराश की परेशानी होने लगी और उन्हें खिड़कियां बंद करनी पड़ीं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अलर्ट जारी कर लोगों को बाहर न निकलने की सलाह दी है।

आसपास के गांवों से निकाले गए हजारों लोगों को स्पोर्ट्स हॉल में बनाए गए अस्थाई शेल्टर होम में ठहराया गया है। पेरू की रहने वाली 38 साल की जैकलीन विलाफ्रांका ने अपना दर्द बयां करते हुए कहा कि जब फोन पर आग का इमरजेंसी अलर्ट बजा, तो उन्हें लगा कि उनका घर और सब कुछ जलकर राख हो जाएगा।

नेपाल जाने वाले भारतीयों के लिए गुड न्यूज! अब 200 और 500 के नोट ले जा सकेंगे साथ

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। नेपाल द्वारा 200 और 500 के भारतीय नोटों के उपयोग की अनुमति देना सीमावर्ती पर्यटन और द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग को प्रोत्साहित करने वाला एक रणनीतिक कदम है। यह नीतिगत बदलाव 25,000 रुपये की सीमा के भीतर वित्तीय लेनदेन को सुगम बनाएगा, जिससे यात्रियों को होने वाली असुविधाओं का प्रभावी समाधान होगा।नेपाल ने इंडियन करेंसी को लेकर लगे अपने पुराने बैन में ढील दे दी है। अब अगर आप नेपाल जा रहे हैं, तो अपने साथ 200 और 500 के भारतीय नोटों को आराम से ले जा सकते हैं। बस आपको यह ध्यान रखना है कि ये नोट 9 नवंबर 2016 वाले होने चाहिए।नेपाल के सेंट्रल बैंक के मुताबिक, कोई भी व्यक्ति 25,000 रुपए तक की लिमिट में 200 और 500 के नोट नेपाल ले जा सकता है या वहां से वापस ला सकता है। यह नया रूल इंडिया और नेपाल, दोनों देशों के लोगों पर लागू होगा। भारतीयवायु सेना भर्ती

बैंक ने अपने नए नोटिस में एकदम क्लियर कर दिया है कि 2016 की नोटबंदी से पहले वाले पुराने भारतीय नोट नेपाल में अभी भी पूरी तरह से बैन रहेंगे। नई गाइडलाइंस के हिसाब से सिर्फ नए डिजाइन वाले 200 और 500 के नोट ही एक्सेप्ट किए जाएंगे।

दरअसल, नेपाल के सेंट्रल बैंक ने इस साल 11 फरवरी को ही इस नए रूल को पास कर दिया था। लेकिन अब गुरुवार को एक और नोटिस निकालकर पूरी प्रोसेस क्लीयर कर दी गई है, ताकि बॉर्डर क्रॉस करते समय करेंसी के लेन-देन से जुड़ी कोई भी कन्फ्यूजन या टेंशन न रहे।

यूक्रेन के ओडेसा पोर्ट पर बड़ा हमला, 4 भारतीयों को ले जा रहे जहाज को बनाया निशाना

» बीपीएस न्यूज

लंदन। यूक्रेन स्थित भारतीय दूतावास ने रविवार को कहा कि चार भारतीय नागरिकों को ले जा रहे एक व्यापारिक जहाज पर यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह पर हमला हुआ। चालक दल के दो सदस्य सुरक्षित बताए जा रहे हैं, जबकि बाकी दो के बारे में जानकारी का अभी इंतजार है। यह घटना शनिवार को हुई। मालवाहक जहाज एमवी एजीएन रैग्नर पर ओडेसा बंदरगाह पर हमला हुआ।

ओडेसा, काला सागर क्षेत्र में यूक्रेन का प्रमुख बंदरगाह है जिस पर 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से कई बार हमले हुए हैं। भारतीय दूतावास ने एक बयान में कहा कि वह स्थिति पर करीबी नजर बनाए हुए है। दूतावास ने कहा कि यूक्रेन में भारतीय दूतावास 25 जुलाई को ओडेसा बंदरगाह पर हमले की जद में आए एमवी एजीएन रैग्नर से जुड़े घटनाक्रम पर नजर रखे हुए हैं।घटना के समय जहाज पर चार भारतीय नागरिक सवार थे। ताजा जानकारी के अनुसार, दो भारतीय सुरक्षित हैं, जबकि अन्य दो भारतीय नागरिकों के बारे में जानकारी की अभी प्रतीक्षा है। खोज और बचाव अभियान जारी है। साथ ही, वह संबंधित अधिकारियों के लगातार संपर्क में है ताकि लापता चालक दल के सदस्यों की स्थिति का पता लगाया जा सके। उन्हें हरसंभव सहायता प्रदान की जा सके।

यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हमला किसने किया, किन परिस्थितियों में यह घटना हुई, या जहाज पर चालक दल के कुल कितने सदस्य सवार थे। चारों भारतीय नागरिकों की पहचान और जहाज पर उनकी जिम्मेदारियों के बारे में भी तत्काल कोई जानकारी नहीं मिल सकी है।

बिहार बंद के समर्थन में जेल भेजे गए तेजप्रताप यादव पुलिस कार्रवाई पर उठे सवाल

» तेजस्वी यादव ने दी चेतावनी

» बहन रोहिणी आचार्य ने भी कसा तंज

प्रशांत किशोर बोले, जन सुराज का समर्थन करने की सजा मिल रही है

बिहार। बिहार के पूर्व मंत्री और जनशक्ति जनता दलके प्रमुख तेजप्रताप यादव को नीट पेपर लीक के विरोध में बुलाए गए बिहार बंद को जबरन लागू कराने की कोशिश के आरोप में रविवार को बेउर केंद्रीय कारागार भेज दिया गया। मजिस्ट्रेट द्वारा न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की।

तेजप्रताप के वकील जगन्नाथ सिंह ने पुलिस की कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बताया कि तेजप्रताप को शनिवार शाम 7ः30 बजे पटना के एक मॉल से गिरफ्तार किया गया, जबकि पुलिस थाने में एफआईआर रविवार तड़के 12ः15 बजे दर्ज की गई। वकील ने कहा कि वे सोमवार को अदालत में जमानत याचिका दाखिल करेंगे और पुलिस की इस लापरवाही को कोर्ट के सामने रखेंगे।विदेश यात्रा से लौटे राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकारी अध्यक्ष और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव अपने बड़े भाई के समर्थन में उतर आए हैं। तेजस्वी ने कहा, मेरे बड़े भाई को गलत तरीके से गिरफ्तार किया गया है और उन पर झूठे आरोप लगाए गए हैं। बिहार की बीजेपी सरकार को चेतावनी है कि सभी बंद समर्थकों पर दर्ज केस वापस लिए जाएं, वरना हम बड़ा आंदोलन शुरू करेंगे।तेजस्वी ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर निशाना साधते हुए कहा कि जब केंद्र सरकार दिल्ली में प्रदर्शनकारियों पर दर्ज केस वापस लेने को तैयार है, तब बिहार में इस तरह की तानाशाही और दमनकारी कार्रवाई क्यों की जा रही है। शहरऔर स्थानीय मार्गदर्शिका

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के बीच जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने आरोप लगाया कि तेजप्रताप यादव को उनका समर्थन करने की वजह से निशाना बनाया जा रहा है। क्क ने कहा कि तेजप्रताप ने हाल ही में उपचुनाव में जन सुराज उम्मीदवार का समर्थन करने का ऐलान किया था, जिसके बाद सत्ताधारी दल के इशारे पर पुलिस ने उन पर यह कार्रवाई की है।

सिंगापुर में रह रहीं तेजप्रताप की बड़ी बहन रोहिणी आचार्य ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस गिरफ्तारी की कड़ी निंदा की। उन्होंने लिखा कि छात्रों और युवाओं के हक में आवाज उठाना कोई गुनाह नहीं है।

सम्राट चौधरी सरकार राजनीतिक विरोधियों को डराने के लिए पुलिस का गलत इस्तेमाल कर रही है और जनता के आक्रोश से डर गई है।

विदेशी ताकतें रच रहीं षड्यंत्र, योगी बोले- सोशल मीडिया की अफवाहों से युवा को बचाएं, शिक्षकों से अपील

» बीपीएस न्यूज

आगरा। दिल्ली के जंतर मंतर पर हुए प्रदर्शनों के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को आगरा के डॉ. बीआर आंबेडकर विश्वविद्यालय के समारोह में शिक्षकों से कहा कि भारत की प्रगति से चिढ़ने वाली विदेशी ताकतें अत्याधुनिक तकनीक और विदेशी फंड का दुरुपयोग कर समाज में अफवाहें फैलाकर विद्वेष व अव्यवस्था फैलाने का षड्यंत्र रच रहीं हैं। उन्होंने उच्च शिक्षण संस्थानों और शिक्षकों का आह्वान किया कि वे ढाल बनकर युवा पीढ़ी को सोशल मीडिया की भ्रामक सूचनाओं से बचाएं और उन्हें राष्ट्र प्रथम के मार्ग पर लाएं।

दरअसल, नीट पेपर लीक मामले को लेकर देशभर में छात्रों का आंदोलन जारी है। जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन और उस पर हुए लाठीचार्ज के बाद भाजपा सरकार की छवि पर असर पहुंचा है। मौजूदा राजनीतिक माहौल में मुख्यमंत्री योगी ने युवाओं के दिग्भ्रमित होने पर चिंता जताते हुए खंदारी स्थित शिवाजी मंडपम सभागार में कहा कि आज करीब 60 फीसदी युवा स्मार्टफोन और यूट्यूब के जरिए दुनिया को समझ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया और गुमनाम प्लेटफॉर्म पर परोसे जा रहे असत्यापित कंटेंट को युवा सच मान बैठते हैं, जिससे समाज अराजकता का शिकार हो रहा है। उन्होंने शिक्षकों से अपील की कि वे छात्रों को सत्य और झूठ का भेद बताएं। गूगल पर मौजूद हर सामग्री प्रामाणिक नहीं होती, इसलिए युवाओं को वापस पुस्तकालयों और संदर्भ ग्रंथों की ओर मोड़ना शिक्षकों की जिम्मेदारी है।

एआई और रोबोटिक्स की ओर कदम बढ़ाएं विश्वविद्यालय

सोशल मीडिया की भ्रामक सूचनाओं के खतरे से आगाह करने के साथ ही सीएम योगी ने तकनीक के सकारात्मक उपयोग पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सोशल मीडिया आज की जरूरत हैं, हम इनसे मुंह नहीं मोड़ सकते। उन्होंने विश्वविद्यालयों से राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत डुअल डिग्री और नए पाठ्यक्रम लागू करने को कहा। सरकार ने टाटा टेक्नोलॉजीज के सहयोग से प्रदेश के आईटीआई और पॉलिटेक्निक संस्थानों में एआई, ड्रोन टेक्नोलॉजी, 3डी प्रिंटिंग और रोबोटिक्स की ट्रेनिंग की सुविधा शुरू की है, जिसका लाभ उच्च शिक्षण संस्थानों को भी उठाना चाहिए। शिक्षकों को अपनी कक्षाएं रोचक बनानी चाहिए ताकि छात्र बोरियत के कारण क्लास न छोड़ें।

डिग्री बांटने के केंद्र न रहें विश्वविद्यालय, बनें शोध केंद्र

कार्यक्रम के दौरान प्राचीन तक्षशिला विश्वविद्यालय और विख्यात वैद्य जीवक का दृष्टांत देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय परंपरा में गुरु की भूमिका योजक की होती है, जो छात्रों की सोई हुई योग्यताओं को उभारता है। सीएम ने स्पष्ट किया कि जब भी भारत अपने स्वर्ण युग की ओर बढ़ता है,

विदेशी हमले तेज हो जाते हैं। ऐसे में हमारे विश्वविद्यालय केवल डिग्री बांटने के केंद्र न रहें, बल्कि वे नवाचार, शोध और राष्ट्रभक्ति के ऐसे मजबूत दुर्ग बनें जो दिग्भ्रमित समाज को सकारात्मक दिशा दे सकें। समारोह में कुलपति आशु रानी, केंद्रीय राज्यमंत्री प्रो एसपी सिंह बघेल, उच्च शिक्षामंत्री मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, प्रभारी मंत्री भूपेंद्र चौधरी, सांसद राजकुमार चाहर आदि जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

बीजेपी सांसद की बेटी ने प्रधान के इस्तीफे का मनाया जश्न, मचा बवाल

भुवनेश्वर । केंद्रीय शिक्षा मंत्री पद से धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद भुवनेश्वर से भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी की बेटी अर्चिता सचिन राहर की एक सोशल मीडिया पोस्ट ने ओडिशा भाजपा में नाराजगी पैदा कर दी है। पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच इस पोस्ट को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

राहर ने इंस्टाग्राम पर राष्ट्रीय ध्वज की पृष्ठभूमि में धर्मेंद्र प्रधान की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, ÷नीट पेपर लीक मामले को लेकर छात्रों के भारी विरोध प्रदर्शन के बीच धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया। हालांकि, अब अर्चिता राहर का इंस्टाग्राम अकाउंट बंद हो गया है। वहीं, ओडिशा भाजपा के नेताओं, जिनमें उनकी मां अपराजिता सारंगी भी शामिल हैं, ने धर्मेंद्र प्रधान के प्रति सहानुभूति जताई। सांसद के कार्यालय सहायक धनेश्वर बारिक ने पीटीआई से फोन पर कहा, हर व्यक्ति को अपने विचार व्यक्त करने का अधिकार है। उनकी बेटी जेन-जी पीढ़ी से है और उसने कहा है कि वह अपने बयान पर कायम है। उसे अपनी बात कहने का पूरा अधिकार है।

जब उनसे पूछा गया कि क्या राहर की सोशल मीडिया पोस्ट से भुवनेश्वर सांसद मुश्किल में पड़ सकती हैं, तो बारिक ने कहा, ÷यह तो समय ही बताएगा।÷ हालांकि, इस मामले पर प्रतिक्रिया के लिए दो बार की सांसद अपराजिता सारंगी उपलब्ध नहीं हो सकीं। सूत्रों ने बताया कि धर्मेंद्र प्रधान के कार्यालय से फोन आने के बाद सांसद ने अपनी बेटी से पोस्ट हटाने के लिए कहा था। हालांकि, काफी देर तक यह पोस्ट

अपनी बात....

संपादकीय .....

संयुक्त आविष्कारक क्षमता का सम्मान

मानवता के लिए एआई के करिश्माई फायदे सामने आ रहे हैं। यह तकनीक स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास में क्रांतिकारी बदलाव लाने में सक्षम है लेकिन इससे प्राइवेसी, रोजगार, असमानता और मानवीय मूल्यों से जुड़े खतरे भी हैं। विशेषज्ञों व नीति नियंताओं का दायित्व है कि एआई के उपयोग में मानवीय गरिमा तथा प्रभावी वैश्विक नियमन को प्राथमिकता मिले।

मानवता की सेवा में विज्ञान और नवाचार की असीम संभावनाओं का उपयोग करते हुए, मानव इतिहास के सबसे अहम दौर में, एआई क्रांति एक परिवर्तनकारी क्षण के रूप में दिखाई देती है। प्रत्येक क्षेत्र में अभूतपूर्व चुनौतियों से निबटने में सशक्त बनाने वाली इसकी क्षमता उपलब्धियों पर गर्व करने को जायज ठहराती है, वह उपलब्धि जिससे देवता तक इर्ष्या करें, जो मानवता की संयुक्त आविष्कारक क्षमता का सम्मान है। दोहराव वाले ऊबाऊ कार्यों का स्वचालन कर फुर्सत के लिए समय उपलब्ध कराना, जरूरी सेवाओं तक पहुंच बढ़ाना, चिकित्सा में नई खोजें, दीर्घायु बनाना और बेहतर स्वास्थ्य सेवा यकीनी बनाना, जिसमें कैंसर जांच और घातक बीमारियों का पूर्वानुमान भी शामिल है, रोगियों की रोबोटिक देखभाल, वंचित वर्गों को मदद का अधिक प्रभावी और लक्षित वितरण, सभी के लिए शिक्षा और ज्ञान तथा आपदा प्रबंधन व मौसम पूर्वानुमान सहित अनेक तरीकों से पर्यावरण सततता बनाने में व्यापक योगदान, ये सभी अधिक समावेशी विकास उद्देश्य की दिशा में एआई के कुछ सबसे अहम योगदान हैं।

फिर भी, मानव समाज के भविष्य और 'बुद्धिमत्ता की नियति' से जुड़े प्रश्नों पर दार्शनिकों, वैज्ञानिकों, नेताओं और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों के बीच बहस जारी है। इनमें से कुछ उस एआई के भावी विकास व क्रियान्वयन पर विराम लगाने की अपील करते हैं, जो हमारी मानवता की अवधारणा को ही अपहृत कर सकती हो। वहीं एआई समर्थकों के दावे हैं कि इसकी मदद से वस्तुओं एवं सेवाओं की 'अद्भुत प्रचुरता' बनेगी और चेतावनी देते हैं कि नियमन से वैज्ञानिक प्रगति धीमा करने से उन अहम प्रश्नों का सामना करना पड़ेगा जो मानवीय संवेदनाओं और सहस्राब्दियों तक चली सांस्कृतिक विकास-यात्रा के जरिये हमारे अस्तित्व की गहराइयों में समाहित भावनाओं के आधार पर नैतिक सुरक्षा-सीमाओं की आवश्यकता रेखांकित करते हैं। हम कौन हैं, और क्या हम मानवता के ऐसे नए नैरेटिव के लिए तैयार हैं जिसमें कार्यात्मक दक्षता और वादे मुताबिक भौतिक समृद्धि, मानवीय आकांक्षाओं व भावनाओं की गरिमा पर हावी हो जाए, यह एक अपरिहार्य प्रश्न है, जिसने तकनीकी चमत्कारों के आकर्षण में बहने को रोके रखा है। यह इसलिए अहम है कि एआई तकनीक मानवीय भावनाओं और अंतर्ज्ञान को समझने सहित संज्ञानात्मक कौशलों की नकल कर सकती है, व कई बार बेहतर प्रदर्शन भी कर सकती है। क्या हम अनंत तकनीकी उथल-पुथल और रोजगार बाजार में दीर्घकालिक अस्थिरता से पैदा 'तनाव की वैश्विक महामारी' के लिए तैयार हैं, साथ ही 'बेकार' हुए करोड़ों लोगों की अनुमानित भीड़ के लिए, जिसे तकनीकी परिवर्तन के प्रभावों से तालमेल बैठाने में असहनीय तनाव झेलना पड़ेगा? क्या हमारे पास ऐसे सामाजिक-आर्थिक मॉडल हैं जो व्यक्ति का आत्मसम्मान बचा पाएं और सबके लिए अपनत्व व भावनात्मक कल्याण से पूर्ण जीवन यकीनी बनाएं? ये दार्शनिक प्रश्न इंसानी नजरिये से पैदा होते हैं, जिसकी नींव मानवीय मूल्यों पर टिकी है। इस पर गंभीर चिंतन जरूरी है कि 'मन के उस गुप्त क्षेत्र को कैसे सुरक्षित रखा जाए, जहां से भावनाएं जन्मती हैं, प्रेरणा बहती है, व इच्छाएं स्पंदित होती हैं- मानवीय आत्मा का वह आत्मपरक पक्ष जो हम सब को अनिवार्यत- वह बनाता है, जो हम हैं'।डेटा गोपनीयता की कमजोरियां, दुष्प्रचार का प्रसार, चुनावी हेराफेरी, सुपर इंटेलिजेंट हथियार प्रणालियों के नियंत्रण से बाहर हो जाने की संभावना, एआई-सक्षम फ़िशिंग मुहिम तथा निगरानी एवं सेंसरशिप- ये कुछ भयावह संकेत हैं जो किसी प्रभावी वैश्विक नियामक के अभाव में सामाजिक उथल-पुथल की वजह बन सकते हैं। राष्ट्र और राज्यों की डिजिटल संप्रभुता बनाए रखना चुनौती है, क्योंकि डेटा पर नियंत्रण राष्ट्रीय सुरक्षा और देशों की रणनीतिक स्वायत्तता से जुड़ा है।

जिसने प्राचीन यूनानियों को भय के चलते आकाश की ओर देखने पर विवश कर दिया था'। स्पेनी दार्शनिक जोसे ओर्तेगा वाई गासेट याद दिलाते हैं 'हम ऐसे समय में जी रहे हैं, जब मनुष्य स्वयं को बेहद सक्षम मानता है, परंतु उसे नहीं पता कि क्या सृजित करे। वह सबका स्वामी है, किंतु खुद का नहीं। पहले से अधिक साधन, ज्ञान और तकनीक होने के बावजूद, आज की दुनिया भी उसी दिशा में जा रही जिस दिशा में अब तक की सबसे बुरी दुनिया गई थी'।

'एआई के युग में मानव की व्यक्तिगत रक्षा' शीर्षक से पोप लियो चौदहवें का धर्मादेश-पत्र एआई से जुड़े मानवतावादी द्वंद्वों पर नैतिक बहस को व्यक्त करता है। यह स्वीकार करते हुए कि प्रौद्योगिकी मानवता की विरोधी नहीं, पोप ने बल दिया है कि एआई के इस युग में, जब मानव गरिमा अमानवीकरण के नए रूपों से संकटग्रस्त है, तब हम 'गहराई से मानवीय' बने रहें।

सत्ता की सीढ़ी न बने बदलाव की आकांक्षाएं

निरंजन भंडारी

कोई भी आंदोलन किसी पुराने को उखाड़कर, नए को सत्ता सौंपने तक ही चलता है, बाद में विलीन हो जाता है। चूंकि सत्ता अपने तंत्र और निरंकुशता से ही चलती है, बस चेहरे बदलते रहते हैं। कई बार ऐसा लगता है कि तमाम क्रांतिकारी और आकर्षक नारे किसी को सत्ता से हटाने और किसी को सत्ता सौंपने का उपक्रम भर होते हैं।

पिछले कुछ दिनों से दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे आंदोलन में भाग लेने वाले सोनम वांगचुक की बिगड़ती तबीयत की खबरें आ रही थीं। बताया गया कि आमरण अनशन के कारण उनका वजन लगातार कम हो रहा था। हाईकोर्ट ने भी कहा कि उनकी सेहत की चिंता की जाए। ऐसे में यदि उन्हें पुलिस ने अस्पताल में दाखिल कराया, तो क्या गलत किया? अगर उनकी जान चली जाती, तो क्या होता? इस आंदोलन में छात्रों से संबंधित जो मुद्दे उठाए गए हैं, उन पर सरकार को जरूर ध्यान देना चाहिए। आखिर ऐसा क्यों है कि पेपर पर पेपर लीक होते जाते हैं? लाखों छात्रों का भविष्य खतरे में पड़ जाता है, फिर भी किसी को कोई फर्क नहीं पड़ता।

हमने सबसे पहले इस तरह का आंदोलन सत्तर के दशक में देखा था। आपातकाल के बाद सरकार की नीतियों के खिलाफ स्वर्गीय जयप्रकाश नारायण एक बड़ा चेहरा बनकर उभरे थे। उन्हें जेल में भी रहना पड़ा था, कहते हैं कि इसीलिए उनकी दोनों किडनियां खराब हो गई थीं। उस समय न सोशल मीडिया था, न रात-दिन चलते इतने चैनल्स, लेकिन जयप्रकाश नारायण ने इंदिरा गांधी की सरकार के विरुद्ध जो आंदोलन चलाया, उसमें लोगों ने जमकर भागीदारी की। तमाम विपक्षी दल, एक-दूसरे के घोर विरोधी वाम और दक्षिणपंथी विचार, सभी ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इंदिरा गांधी को हार का मुंह देखना पड़ा। जनता पार्टी ने बड़ी जीत हासिल की। इसे दूसरी आजादी और संपूर्ण क्रांति का नाम दिया गया। जयप्रकाश नारायण ने कोई पद भी नहीं लिया। वे इंदिरा गांधी से मिलने भी गए। जब इंदिरा जी ने उनसे पूछा कि अब वे क्या करें, तो जे.पी. ने कहा कि फिर से लोगों के बीच जाओ।लेकिन जैसे ही कोई जीतता है, तमाम हित आपस में टकराने लगते हैं। उस समय प्रधानमंत्री पद के लिए मोरारजी देसाई और चौधरी चरण सिंह में काफी खींचतान चली। जितना बहुमत मिला था, उसे जैसे सभी विपक्षी दलों की सात भात की खिचड़ी चला ही नहीं सकी। उधर जे.पी. की सलाह मानकर इंदिरा गांधी खूब सक्रिय हो गईं। नतीजा यह हुआ कि 1977 की जनता पार्टी की जीत 1980 आते-आते कांग्रेस की जीत में बदल गई। दूसरी आजादी और संपूर्ण क्रांति का सपना धराशायी हो गया।इसके बाद कांग्रेस के ही नेता विश्वनाथ प्रताप सिंह ने राजीव गांधी के खिलाफ आंदोलन चलाया। उनका कहना था कि राजीव गांधी ने बोफोर्स सौदे में दलाली खाई है। हालांकि कहीं कोई प्रमाण न मिला, लेकिन एक बार किसी नेता की छवि पर दाग लग जाए, तो लोग उसे सच मान लेते हैं। इसलिए राजीव गांधी चुनाव हार गए। उनकी सुरक्षा तक वापस ले ली गई, जबकि वे आतंकवादियों की हिट लिस्ट में थे। और उनका अंत भी वही हुआ जो इंदिरा गांधी का हुआ था। चेन्नई में एक सभा के दौरान लिट्टे आतंकवादियों ने उनकी हत्या कर दी, क्योंकि राजीव गांधी ने प्रधानमंत्री रहते हुए श्रीलंका में भारतीय सेना लिट्टे से निपटने के लिए भेजी थी। इंदिरा गांधी खालिस्तानियों के हाथों शहीद हुईं, तो राजीव गांधी लिट्टे के हाथों। कहा जाता है कि राजनीति को बदले की भावना से काम नहीं करना चाहिए, लेकिन अक्सर ऐसा होता नहीं है।फिर इस सदी के दूसरे दशक यानी कि 2011 में लोगों ने अन्ना आंदोलन को देखा। इसे मूलतः लोकपाल के लिए किया गया था, जिससे कि देश में व्याप्त भ्रष्टाचार को मिटाया जा सके। इस आंदोलन ने भी अभूतपूर्व सफलता पाई। लोगों ने इसमें बढ़-चढ़कर भाग लिया। ऐसी खबरें भी आईं कि बहुत से युवा विदेशों से अपनी अच्छी-खासी नौकरियां छोड़कर इसमें भाग लेने आए। अन्ना ने इस आंदोलन को शुरू जरूर किया था, लेकिन इसमें भाग लेने वाले भूतपूर्व आई.आर.एस. अधिकारी अरविंद केजरीवाल नेता बनकर उभरे। उन्होंने उस समय दिल्ली की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के खिलाफ भी खूब अभियान चलाया। ऑटो के पीछे तक एक शीला दीक्षित और एक अरविंद केजरीवाल के फोटो लगे रहते थे। शीला दीक्षित के फोटो के नीचे लिखा रहता था– 'बेईमान' और अरविंद केजरीवाल के फोटो के नीचे– 'ईमानदार'। नतीजा वही हो सकता था, शीला दीक्षित चुनाव हार गईं और अरविंद केजरीवाल जीत गए। दिल्ली के मुख्यमंत्री बने। हालांकि सरकार उन्हें उसी कांग्रेस के समर्थन से बनानी पड़ी, जिसका वे विरोध करते आए थे।

यानी कि कोई भी आंदोलन किसी पुराने को उखाड़कर, नए को सत्ता सौंपने तक ही चलता है, बाद में विलीन हो जाता है। चूंकि सत्ता अपने तंत्र और निरंकुशता से ही चलती है, बस चेहरे बदलते रहते हैं। कई बार ऐसा लगता है कि तमाम क्रांतिकारी और आकर्षक नारे किसी को सत्ता से हटाने और किसी को सत्ता सौंपने का उपक्रम भर होते हैं। जो लाखों लोग बदलाव का सपना लिए इनमें भाग लेते हैं, वे पीछे छूट जाते हैं। उनके हाथ सिर्फ पछतावा आता है कि जिस बदलाव का सपना देखा था, वह बस सपना ही रह गया। कम से कम अतीत के सबक तो यही हैं।अब कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा जंतर-मंतर पर जो आंदोलन चलाया जा रहा है, उसमें भी कहा जा रहा है कि ज्यादा से ज्यादा लोग इसमें भाग लें। वे सत्ता से सवाल पूछें। जवाब न मिले, तो इसे उखाड़ फेंकें। जेन-जी नेपाल, श्रीलंका या अरब स्प्रिंग की तरह इसमें बढ़-चढ़कर भाग ले। अमेरिका में रहने वाले अभिजीत दीपिके ने भारत आकर इसे शुरू किया, लेकिन जैसे ही सोनम वांगचुक इसमें भाग लेने आए, मीडिया की सारी लाइमलाइट उन्हें मिलने लगी। दीपिके कहीं पीछे छूट गए। अब जब वांगचुक अस्पताल में हैं, तो उनकी पत्नी गीतांजलि ने घोषणा कर दी है कि वे इस आंदोलन का नेतृत्व करेंगी। इस आंदोलन की रूपरेखा क्या है? ये सरकार को उखाड़कर फेंकना चाहते हैं। पहले शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे थे, अब प्रधानमंत्री मोदी का इस्तीफा मांग रहे हैं। यह भी कह रहे हैं कि हर शहर में जंतर-मंतर जैसा आंदोलन स्थल बना लिया जाए, वहां आकर बड़ी संख्या में युवा इस आंदोलन से जुड़ें। सोनम वांगचुक ने अस्पताल से कहा कि बीस जुलाई आजादी का दूसरा आंदोलन है। देखना है कि वे अपने मकसद में कितना सफल होते हैं।चूंकि इस लेखिका ने अतीत में कम से कम तीन बड़े आंदोलन देखे हैं, वे जिन प्रतिज्ञाओं से शुरू किए गए थे, सत्ता मिलते ही भुला दी गईं। जयप्रकाश नारायण के आंदोलन को भी लोगों ने बढ़-चढ़कर दूसरी आजादी कहा था, अब सोनम वांगचुक भी यही कह रहे हैं। लेकिन यह समय भी सत्तर का दशक नहीं है। इक्कीसवीं सदी को भी शुरू हुए पच्चीस साल बीत गए हैं। मुख्यधारा का मीडिया जिसे कहा जाता है, उसके मुकाबले सोशल मीडिया पल-पल की खबर दे रहा है। अब चालाकी से किसी चीज को छिपा लेना भी मुश्किल है। यही नहीं, पहले तो लोग अपने ही कहे को नकार देते थे ?

दिल्ली का कॉकरोच आंदोलन दिलाएगा भारत को अर्बन नक्सल से आजादी ..!

राजनीतिक विशलेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

? जिम्मेदार हम हैं, जिन्होंने स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालयों से लेकर परिवार के भीतर तक युवा होती पीढ़ी से संवाद का मंच छीन लिया।

छात्रों के नाम पर जंतर मंतर पर विपक्षी नेताओं ने फंडेड जमात की जो भीड़ खड़ी की है वह सुधार आंदोलन करने नहीं बल्कि बस इस्तीफा ङ्क इस्तीफा खेलने आई है वरना अब तक यह आंदोलन अपनी परिणीति को प्राप्त हो गया होता ।

आंदोलन का मोटिव शिक्षा सुधार का कही से लग भी नहीं रहा क्यूंकि उसमें बस इस्तीफा माँगा जा रहा कभी धर्मेंद्र प्रधान का तो कभी प्रधानमंत्री का ! आंदोलन में गालियां बकी जा रही कभी दिल्ली पुलिस को तो कभी सेना के जवानों को ! देश तोड़ने की अच्छी जगह चुनकर उसमें युवाओं को फुसलाकर भाजपा से अपनी कुंठा मिटाने की साजिश का खुलासा होता जा रहा। प्रोटेस्ट में जिन लड़कियों के वीडियो वायरल हो रहे हैं, उन्हें शिक्षित तो एकदम नहीं कहा जा सकता। ये वो पीढ़ी है जिसकी शिक्षा-दीक्षा इंटरनेट से हुई है। भाषा बता रही है, हमारी एक पीढ़ी व्हाट्सअप, रील्स, इंस्टाग्राम और सोशल मीडिया पर बर्बाद हो गई इंटरनेट की भेंट चढ़ गई। जिम्मेदार कौन है

मां बाप अपनी संतानों के सवालों के उत्तर देने में सक्षम नहीं रहे। गालियाँ इनके लिए कॉमेडी है। बड़ों की इज्जत न करना इनके लिए फन है। रील बनाने के लिए कपड़े उतारना इनका पेशा है। अपने घर में एक चादर तक ठीक नहीं करते ये लोग, लेकिन फिलिस्तीन समस्या का हल इनके पास है। भारतीय शास्त्रों की चर्चा भी गँवारपन की निशानी है इनके लिए, हॉलीवुड के किरदारों पर चर्चा करना जागरूकता है। इंटरनेट पर ट्रेंड चल गया कि फलाँ प्रदर्शन में जाना है, तो ये सब के सब जाकर फोटो डालेंगे ही। बस इतनी सी बात है। ये किस एंगल से नीट के छात्र है ? इन्होंने इंस्टा यूट्यूब से बाहर की दुनिया देखी हो तो मालूम हो कि धरने और मार्च में रोड ब्लॉक करने के लिए पुलिस थाने से परमिशन लेना पड़ता है और बिना अनुमति लिए धरना करने पर पुलिस मामला दर्ज कर कूट सकती है और संबंधित धारा में जेल भेज सकती है ल

पिछले 30 दिन से रीलबाजो ने जंतर मंतर से लेकर संसद भवन तक खूब नौटंकी की वायरल होने के लिए सरकार से लेकर देश के प्रधानमंत्री तक को अभद्र भाषा बोला, गंदी गलिया दी क्यूंकि इन्हे लगता है ऐसा करने से ये वाहवाही लूट ले जाएंगे और पड़ोसी मुल्क की नकल कर के ये भारत को नेपाल और बांग्लादेश जैसा दिखा विदेशों से अराजकता के लिए फंडिंग जुटा सकेगे। कई सारे वीडियो देखिए जिनमें नाबालिग भी मोदी योगी को भद्दे ङ्क भद्दे गालियां बकते देखे जा रहें। निशु नेहा और अन्य कई मुहफट लड़किया व्यूज जुटाने के लिए सड़को पर जोकरई कर रही। इन जोकरों को पता ही नहीं लगा कि दिल्ली पुलिस ने एक गाड़ी या कुछ गाड़ियों पे हाई डेफिनेशन कैमरा लगा रखा है और उसके साथ फेस रिकॉगनेशन सॉफ्टवेयर लगा हुआ है जो हर एक को पहचान के सोशल मीडिया से उनके प्रोफाइल खोज के उनकी फाइल बनाता जा रहा है। जल्द ही इनको समझ आ जायेगा है कि देश का सम्मान और राष्ट्रीय सुरक्षा क्या है ! एनआईए की एंट्री हो गई है।

रासुका में मामला दर्ज होगा। सरकार से कॉकरोच टीम ने मांग तो कर दिया कि प्रोटेस्ट कर रहें लोगो पर मुकदमा दर्ज नहीं होगा। पर लिस्ट तो दिल्ली पुलिस बना रही और जब बात राष्ट्रीय सुरक्षा कि हो तो सरकार का आश्वासन केवल कोरा कागज़ समझिए। कुछ मुख्य किरदारों पे रासुका लगाने की तैयारी है और याद है किसान आंदोलन सैकड़ों लोग जो उस आंदोलन में काफी सक्रीय थे ऐसे ही बड़ी बड़ी बात कर रहे थे ट्रैक्टर से लाल किले पे चढ़ाई करने निकले थे सैकड़ों के पासपोर्ट निरस्त हो गए है। सैकड़ों आज भी हर हफ्ते थाने में हाजरी दे रहे है और इस कारण कही काम धंधा करने नहीं जा पा रहे है। याद रखिए यह पुरानी भाजपा नहीं जो आपको देश का मासूम नागरिक समझ कर छोड़ देगी यह ममता बनर्जी जैसे अकाट्य विष का तोड़ ढूढ़ने वाली, कश्मीर के आजादी की इबारत लिखने वाली, अखिलेश सोनिया मायावती जैसों की राजनीति ख़त्म करने वाली, उद्धव ठाकरे, शरद पवार नवीन पटनायक, जैसों को मिट्टी में मिलाने वाली भाजपा है जिसमें अमित शाह नाम का वह वजीर है जो चार चाल आगे की सोचकर ही कदम बढ़ाता है। वाकई आपको लग रहा होगा सरकार आपसे डर रही। आप हावी है। गलत फहमी है आपकी ! सरकार डरती नहीं किसी से बल्कि आपका उपयोग तब तक करती है जब तक आप उसका फायदा पंहुचाते रहेंगे उसके बाद आपको जेल में ठूस दिया जायेगा। आपको क्या लगता है बिना धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफा लिए बगैर सोनम वांगचूक ने अनशन क्यों तोड़ दिया होगा !

सोच के देखिए जरा की जो व्यक्ति पच्चीस दिन हिला नहीं वह छब्बीसवे दिन अचानक कैसे बदल गया ! शेर है वो जिनसे टकरा रहें। और शेर जब शिकार करना चाहे तो पहले पांच कदम पीछे हटता है। सरफिरे टाइप के है बिहार स्टूडेंट्स का प्रोटेस्ट भी मजेदार रहा है। आपदा को अवसर में बदल देने का हुनर रखते है बिहारी टियर गैस के विषय में हो या वाटर कैनन के बारे में या लाठी खाने के समय राष्ट्रगान गाने में खड़े होना। मनोरंजन की दृष्टि से देखो तो सिर्फ कॉमेडी शो लगता है और अगर आगे भविष्य का सोचो तो क्या ही होगा इनका। मतलब गजब इंसान है ये जनरेशन लेकिन गलती इनकी भी नहीं है इतना हार्ड सिलेबस और बस वही मोबाइल इंटरनेट। घरवालों का साथ मिला नहीं इनको। इन बेचारों को क्या ही पता होगा कि परिवार के लोगों का एक साथ बैठना। रात रात भर हंसी मजाक क्या होता है। काफी इमोशनल ड्यूड है आज की जनरेशन, इनको कोई भी आसानी से अपने कब्जे में कर सकता है। बुद्धि नाम का सॉफ्टवेयर इनमें अपलोड नहीं है इनको सिर्फ अपने रूम और मोबाइल से मतलब है।

वैसे प्रोटेस्ट वीडियोस में एडवेंचर फन कार्टून सब दिखा रहा सिवाय सीरियस मैटर के। अगर पर्सनल बात करूं तो मुझे भी इस प्रोटेस्ट का हिस्सा बनना है किसी के इस्तीफे या किसी के साथ नहीं सिर्फ कॉमेडी शो लाइव देखने जिससे भविष्य में अपने बच्चों को बता सकूं कि एक प्रोटेस्ट ऐसा भी था जिसमें मिडिया तक को नहीं बक्शा गया। वैसे ये जो लड़कियां बहादुरी का परिचय दे रही है कहीं न कहीं इनमें चुड़ैल का वास है जो गलत पदार्थों से जल्दी अट्रैक्ट हो जाती है । खैर मुझे इन लड़कियों की जायदा फिक्र है कल को जब ये किसी की बीवी बनेगी तो हर मोर्चे के लिए ये तैयार मिलेंगी तब उस परिवार का क्या होगा जिनमें ये बहुएँ बन कर जाएंगी ! ये जो भी प्रोटेस्ट चल रहा है बढ़िया है। ये लोग नॉन वेज स्लोगन भी मस्त लिखते है मतलब महीने भर चला तो मस्त गालियां सिख जाएंगे हम। जिनके भी बच्चे दिल्ली कोचीग करने गए या पढ़ाई करने गए है वो अपने बच्चों को अब इस मामले से दूर कर ले कही कानून के चक्कर में पड़ गए तो करियर बर्बाद हो जाएगा और सालों कोर्ट थाना पुलिस के चक्कर में निकल जाएगा बाकी जो मास्टर माइंड है उनकी कुंडली तो बन गई सरकार को तो पता था कि ये सब सड़क पे आएंगे।अमित शाह ने साफ बोला था नक्सली खत्म हो गए अब अर्बन नक्सल खत्म होंगे और इसलिए सरकार ने ये आंदोलन होने दिया ताकि दिल्ली में सबसे ज्यादा अर्बन नक्सल का नेटवर्क है वो सामने आए और उनके खिलाफ खुद सबूत भी दे अपने खिलाफ इसलिए सरकार ने ये कैमरे फेस रिकॉगनेशन ड्रोन इसके साथ सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सब की हुई है जंतर मंतर के चारों तरफ मौजूद हर मोबाइल टावर का डेटा निकली जा रही है।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,
bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओ को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र मे नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

- संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओ, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:मो.: 8423454502
email:bps.knp786@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

कार्यालयः- जिला प्रोबेशन अधिकारी, कानपुर नगर

01 शिशु नाम मिष्ठी (संस्था द्वारा रखा गया नाम) पुत्री अज्ञात, आयु 06 माह लगभग, पता अज्ञात, लिंग- महिला, रंग- गोरा, जो गोविंदनगर थाना, कानपुर नगर में दिनांक 04.12.2025 को पाई गई थी। शिशु के माता-पिता/परिजन के बारे में जो भी व्यक्ति जानकारी रखता हो, वह जिला प्रोबेशन कार्यालय, कलेक्ट्रेट, कानपुर नगर/ राजकीय विशेषज्ञ दत्तक ग्रहण इकाई, 7 /202, स्वरूप नगर, कानपुर नगर में अथवा इस मोबाइल नंबर- 7518024102 पर संपर्क कर सकता है। 02 माह के पश्चात कोई भी दावा मान्य नहीं होगा और शिशु को दत्तक ग्रहण में देने की कार्यवाही प्रारंभ कर दी जाएगी। दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया संबंधी जानकारी के लिए www.cara.wcd.gov.in पर जानकारी प्राप्त करें।

जिला प्रोबेशन अधिकारी
कानपुर नगर।

आईजीआरएस में लापरवाही पर अपर नगर आयुक्त को चेतावनी

» बिना अनुमति बैठक से अनुपस्थित मंडी सचिव का वेतन रोकने के निर्देश

» शासन की मंशा के अनुरूप काम करें, अन्यथा सख्त कार्रवाई के लिए रहें तैयार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में सीएम डैशबोर्ड पर अंकित राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। खराब प्रगति पर सख्त रुख अपनाते हुए जिलाधिकारी ने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से चेताया कि शासन की मंशा के अनुरूप अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करें, अन्यथा कार्रवाई के लिए तैयार रहें। उन्होंने चेतावनी पत्र पाने वाले अधिकारियों को भी आगाह किया कि यदि उनके कार्य में अपेक्षित सुधार नहीं आया तो भविष्य में प्रतिकूल प्रविष्टि सहित और सख्त कार्रवाई की जाएगी। समीक्षा में पांच अधिकारियों को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के साथ कई अन्य को चेतावनी पत्र जारी करने के निर्देश दिए गए।

जनपद में आबकारी विभाग की लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति संतोषजनक नहीं पाए जाने तथा विभाग के लगातार डी श्रेणी में रहने पर जिलाधिकारी ने जिला आबकारी अधिकारी राजेश कुमार को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए। मंडी आय में खराब प्रगति पर मंडी सचिव विजन बालियान को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के साथ बैठक में बिना पूर्व अनुमति अनुपस्थित रहने पर उनका वेतन रोकने के निर्देश दिए गए। खराब प्रगति पर जिला प्रोबेशन अधिकारी तथा एडीओ पंचायत पतारा को भी प्रतिकूल प्रविष्टि देने को कहा गया।

आईजीआरएस की समीक्षा में नगर निगम की स्थिति पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। नगर निगम से संबंधित कुल 1,574 प्रकरणों में 759 में असंतुष्ट फीडबैक प्राप्त हुआ है। इसे गंभीर मानते हुए नगर निगम के आईजीआरएस नोडल अधिकारी अपर नगर आयुक्त को चेतावनी पत्र जारी करने तथा शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता में सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

राजस्व वसूली की धीमी प्रगति पर भी जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। उन्होंने खनन अधिकारी पारसनाथ यादव को प्रतिकूल प्रविष्टि देने तथा एआईजी स्टांप को चेतावनी पत्र जारी करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने तहसीलों के कार्यों की भी समीक्षा की। अंश निर्धारण में अत्यंत खराब प्रगति पाए जाने पर चारों तहसीलों को चेतावनी पत्र जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने धारा 24 एवं धारा 116 के वादों के निस्तारण के लिए अभियान चलाने तथा अंश निर्धारण के कार्य के लिए विशेष कैंप आयोजित करने को कहा।जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को राजस्व से संबंधित प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। विद्युत देयकों की वसूली में लापरवाही पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने नियमानुसार विद्युत देयकों की वसूली सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ. विवेक चतुर्वेदी, अपर जिलाधिकारी राजेश कुमार, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/एसडीएम सदर अनुभव सिंह सहित समस्त तहसीलों के उप जिलाधिकारी, तहसीलदार तथा विभिन्न जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सत्याग्रह को निकले विधायक अमिताभ बाजपेई समर्थकों के साथ पुलिस की धक्का-मुक्की

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। सपा विधायक अमिताभ बाजपेई द्वारा दिल्ली में छात्रों द्वारा किए जा रहे आंदोलन और सरकार की कार्यवाई के विरोध में फूलबाग में सत्याग्रह करने की योजना के चलते विधायक अपने निवास से समर्थकों के साथ निकले, लेकिन पुलिस ने उन्हे जाने से रोक दिया। इस बीच विधायक समर्थकों और पुलिस के बीच नोक-झोक के साथ धक्का-मुक्की भी हुई, लेकिन पुलिस द्वारा उन्हे किसी भी गतिविधी को क्रियान्वयन में लाने की अनुमति नही दी गयी।दिल्ली में चल रहे छात्रों के विरोध को लेकन सपा विधायक अमिताभ बाजपेई को गुरूवार को फूलबाग में सत्याग्रह करना था लेकिन इसकी सूचना पुलिस को लगते ही गुरूवार दिन में लगभग 11 बजे पुलिस उनके निवास पर पहुंची और चारो ओर बेरीकेटिक लगा दी। जब सपा विधायक अपने समर्थकों के साथ घर से निकले तो पुलिस ने उन्हे रोका। इसी बीच बेरीकेटिक हटाकर विधायक भागने लगे और पुलिस उन्हे रोकने के लिए उनके पीछे भागी।

कुछ ही दूरी पर पुलिस ने उन्हे रोक लिया। इसके उपरान्त विधायक अमिताभ बाजपेई को सीएसए स्थित चंद्र शेखर आजाद प्रतिमा के समक्ष लाया गया, जहां विधायक ने आजाद प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद पुलिस अपनी अभिरक्षा में विधायक को उनके निवास पर छोडा।

बतातें चले कि सपा विधायक अमिताभ बाजपेई ने सत्याग्रह की घोषणा की थी, जिसके बाद प्रशासन द्वारा फूलबाग में अधिकारियों ने साथ पुलिस की व्यवस्था की गयी थी साथ ही फायर बिग्रेड के वाहन भी थे। प्रशासन किसी भी प्रकार से कोई लापरवाही नही बरतना चाहता है। इसी प्रकार सपा युवजनसभा द्वारा भी शिक्षा मंत्री का पुतला फूंका गया। कांग्रेस कमेटी कानपुर महानगर के अध्यक्ष भी बीते 48 घंटे से अरेस्ट है।

दशमोत्तर छात्रवृत्ति (कक्षा 11-12 को छोड़कर) हेतु समय-सारिणी जारी, 15 सितम्बर से होंगे ऑनलाइन आवेदन

शैक्षणिक संस्थान 15 अगस्त तक तैयार करें मास्टर डाटा, छात्र 31 अक्टूबर तक करें आवेदन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अमित प्रताप सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा वित्तीय वर्ष/शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के विद्यार्थियों हेतु दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना (कक्षा 11 एवं 12 को छोड़कर) की समय-सारिणी जारी कर दी गई है।

उन्होंने बताया कि शासन द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार शैक्षणिक संस्थानों द्वारा मास्टर डाटा तैयार करने की अवधि 22 जुलाई 2026 से 15 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है, जबकि मास्टर डाटा के सत्यापन की प्रक्रिया 25 जुलाई 2026 से 14 सितम्बर 2026 तक संपन्न की जाएगी।

इसके उपरांत छात्र-छात्राएं 15 सितम्बर 2026 से 31 अक्टूबर 2026 तक छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए शासन की आधिकारिक छात्रवृत्ति वेबसाइट http://scholarship.up.gov.in/? पर निर्धारित प्रावधानों के अनुसार ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने जनपद के समस्त दशमोत्तर (कक्षा 11 एवं 12 को छोड़कर) शैक्षणिक संस्थानों एवं उनमें अध्ययनरत पात्र छात्र-छात्राओं से अपील की है कि वे निर्धारित समयावधि के भीतर आवश्यक अभिलेखों सहित नियमानुसार ऑनलाइन आवेदन करना सुनिश्चित करें, ताकि छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना का लाभ समय से प्राप्त हो सके।

आर्य कन्या इंटर कॉलेज में आयोजित हुआ दहेज प्रतिषेध जागरूकता कार्यक्रम

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। महिला कल्याण विभाग, कानपुर नगर द्वारा गोविंद नगर स्थित आर्य कन्या इंटर कॉलेज में छात्राओं को दहेज प्रथा के दुष्परिणामों एवं इसके विरुद्ध कानूनी प्रावधानों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से दहेज प्रतिषेध जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में अधिवक्ता दिशा अरोड़ा के द्वारा छात्राओं को दहेज लेने एवं देने से होने वाले सामाजिक एवं कानूनी दुष्परिणामों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने दहेज प्रतिषेध कानून के अंतर्गत दहेज लेने एवं देने पर निर्धारित सजा एवं दंड के प्रावधानों के बारे में भी छात्राओं को अवगत कराया। साथ ही छात्राओं को दहेज जैसी सामाजिक कुरीति का विरोध करने तथा अपने जीवन में न तो दहेज लेने और न ही दहेज देने की शपथ दिलाई गई।इस अवसर पर महिला कल्याण विभाग की शैल शुक्ला व विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी एवं महिला-केंद्रित योजनाओं की विस्तृत जानकारी छात्राओं को दी गई। उन्होंने छात्राओं को महिला सशक्तिकरण, सुरक्षा एवं कल्याण से संबंधित योजनाओं का लाभ उठाने तथा अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में दहेज प्रथा के विरुद्ध जागरूकता उत्पन्न करने के साथ-साथ समाज में इस कुप्रथा को समाप्त करने के लिए युवा पीढ़ी की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में महिला कल्याण विभाग के कर्मचारियों, कॉलेज की प्रधानाचार्या एवं समस्त शिक्षकगण का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

क्राइस्ट चर्च इंटर कॉलेज में जल संरक्षण कार्यशाला चित्रकला प्रतियोगिता एवं शपथ ग्रहण का हुआ आयोजन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। भूजल सप्ताह के अवसर पर भूगर्भ जल विभाग एवं डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में क्राइस्ट चर्च इंटर कॉलेज, कानपुर में जल संरक्षण जागरूकता कार्यशाला एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में भूगर्भ जल संरक्षण, सतत जल प्रबंधन तथा जल के जिम्मेदार एवं विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति जागरूकता विकसित करना था।

कार्यक्रम में डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया की विशेषज्ञ आंचल मित्तल ने अर्बन वाटर फुटप्रिंट अभियान की विस्तृत जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को वाटर फुटप्रिंट की अवधारणा, दैनिक जल उपयोग का आकलन करने के लिए वाटर कैलकुलेटर के महत्व तथा जल की बर्बादी रोकने के सरल एवं प्रभावी उपायों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपने दैनिक व्यवहार में छोटे-छोटे बदलाव अपनाकर जल संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

इसके उपरांत भूगर्भ जल विभाग की हाइड्रोलॉजिस्ट अर्चना सिंह एवं जूनियर इंजीनियर गोपाल गुप्ता ने विद्यार्थियों को भूगर्भ जल संरक्षण के प्रभावी उपायों की जानकारी दी। उन्होंने वर्षा जल संचयन, जल का विवेकपूर्ण उपयोग तथा भावी पीढ़ियों के लिए भूजल संसाधनों के संरक्षण की आवश्यकता पर विशेष बल दिया।कार्यक्रम के दौरान भूगर्भ जल विभाग के अधिकारियों ने सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई। सभी प्रतिभागियों ने जल का सदुपयोग करने तथा समाज में जल संरक्षण का व्यापक संदेश प्रसारित करने का संकल्प लिया।कार्यशाला में लगभग 123 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर लगभग 100 प्रतिभागियों से वाटर कैलकुलेटर फॉर्म भी भरवाए गए, जिससे उन्हें अपने दैनिक जल उपयोग का आकलन करने तथा जल संरक्षण की दिशा में सकारात्मक कदम उठाने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित जल संरक्षण विषयक चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतिभागियों ने जल संरक्षण पर आधारित आकर्षक, रचनात्मक एवं प्रेरणादायी चित्रों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और जल बचाने का प्रभावी संदेश दिया। कार्यक्रम का समापन जल संरक्षण के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ। वक्ताओं ने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे स्वयं जल संरक्षण के उपाय अपनाने के साथ-साथ अपने परिवार, मित्रों एवं समाज को भी इसके प्रति जागरूक करें, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित एवं पर्याप्त जल संसाधन सुनिश्चित किए जा सकें।

पुलिस ने शातिर चोर को किया गिरफ्तार, 1.52 लाख से अधिक का माल हुआ बरामद

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। थाना पनकी पुलिस ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। मुखबिर की सूचना पर थाना पनकी पुलिस ने पाटनी पार्क चौराहे के पास से अभियुक्त अंकुश यादव (25 वर्ष) निवासी जनपद मैनपुरी (हाल पता- पनकी, कानपुर नगर) को गिरफ्तार किया।अभियुक्त के कब्जे से दो सोने की चेन, एक पान नुमा पेन्डिल युक्त सोने की चेन, चांदी की पायलें व बिछिया, चांदी के दीया स्टैंड, दो कलाई घड़ियां, एक एटीएम कार्ड, एक लैपटॉप, एक बैग, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल तथा कुल ?1,52,542 मूल्य का चोरी का माल बरामद किया गया। पूछताछ में अभियुक्त ने 12 जुलाई 2026 की रात्रि थाना पनकी क्षेत्र में ताला तोड़कर चोरी की घटना करना स्वीकार किया।पुलिस उपयुक्त पश्चिम एस एम कासिम आबिदी ने बताया कि बरामदगी के आधार पर संबंधित मुकदमे में बढ़ोत्तरी धाराएं अंकित करते हुए अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर जेल भेजा जा रहा है।

वकालत करेंगे अमीरों के बच्चे प्रस्तावित अधिवक्ता संशोधन विधेयक 2026:पं रवीन्द्र शर्मा

अधिवक्ता संशोधन विधेयक 2026 पर हुई बैठक

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अधिवक्ता कल्याण संघर्ष समिति की प्रस्तावित अधिवक्ता संशोधन विधेयक 2026 पर हुई बैठक में बोलते हुए संयोजक पं रवीन्द्र शर्मा पूर्व अध्यक्ष लॉयर्स एसोसिएशन ने बताया कि अधिवक्ता अधिनियम 1961 में पुनः प्रस्तावित संशोधन विधेयक 18 जुलाई 2026 को बी सी आई ने सार्वजनिक परामर्श के लिए जारी कर सभी अधिवक्ताओं से सुझाव मांगे है प्रमुख रूप से प्रस्तावित संशोधन की धारा 24 से पंजीकरण शुल्क रुपया 750 से बढ़कर 22500 हो जाएगा जिसमें 18 000 राज्य विधिज्ञ परिषद और 4500 रुपया बार काउंसिल आफ इंडिया का होगा।कहा कि पंजीकरण शुल्क 22500 होने से सामान्य और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के होनहार और बुद्धिमान बच्चे वकालत करने से वंचित हो जाएंगे। पहले कुलीन और जमींदार घरानों के लोग अधिवक्ता बनते थे आज जन सामान्य और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के होनहार बच्चे भी वकालत में आ रहे है और विधि विशेषज्ञ बन रहे है । प्रस्तावित संशोधन की धारा 12 से विदेशी अधिवक्ताओं को अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक मध्यस्थता में भाग लेने की अनुमति देने का प्रस्ताव ईस्ट इंडिया कंपनी की तरह विदेशी अधिवक्ताओं को भारत में प्रवेश की शुरुवात होगी। धारा 24 सी के अनुसार किसी मुकदमें में अधिवक्ता को 2 साल या उससे अधिक की सजा पर अधिवक्ता का नाम राज्य के अधिवक्ता पंजीकरण से हटा दिया जाएगा।

अपील निर्णयन से पूर्व हटाना विधि विरुद्ध है। सामाजिक सुरक्षा और कल्याण के नाम पर बीमा पेंशन चिकित्सा आदि की बात तो प्रस्तावित की किंतु कब होगा कैसे होगा और कितने समय में कौन सी पालिसी लागू होगी की निश्चित समयावधि और प्रारूप न दिया जाना अधिवक्ताओं के साथ धोखा है । कानून मंत्री मेघवाल प्रस्तावित संशोधन तो ले आए किंतु अधिवक्ताओं की सुरक्षा हेतु प्रस्तावित संशोधन में अधिवक्ता संरक्षण जिसके अंतर्गत अधिवक्ताओं पर मुकदमा लिखे जाने या गिरफ्तारी से पूर्व बार संघों की अनुमति आवश्यक हो का प्रस्ताव न होना अधिवक्ता समाज के साथ धोखा है हम इसका विरोध करते है।ऐसी क्या जल्दी है कि प्रस्तावित संशोधन विधेयक पर 31 जुलाई 2026 को दोपहर 3 बजे तक देश भर से सुझाव लेने है इसी से साबित है कि सरकार प्रस्तावित संशोधन विधेयक को लागू करने की कितनी जल्दी में है। प्रदेश और देश के सभी अधिवक्तागण इस प्रस्तावित संशोधन विधेयक का भी अधिवक्ता संशोधन विधेयक 2025 की तरह तब तक विरोध करेंगे जब तक पंजीकरण शुल्क पूर्व की भांति होने के साथ निश्चित समयावधि में अधिवक्ताओं की सुरक्षा बीमा पेंशन सहित अधिवक्ताओं को सपरिवार कैसे लेश इलाज लागू करने का प्रस्ताव नहीं दिया जाता।

प्रमुख रूप से भानु द्विवेदी, देवी प्रसाद मिश्रा, संजीव सोनकर, दिनेश यादव, संजीव कपूर, शिवम गंगवार, भारत पाल, आयुष शुक्ला, अमर दीप शौर्य, सौरभ चैतन्य जायसवाल, साजिद खान, इंद्रेश मिश्रा, आदित्य वीर जोशी आदि रहे।

रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला अज्ञात शव, मची अफरा-तफरी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। सचेंडी थाना क्षेत्र के अंतर्गत न्यू भाऊपुर तथा न्यू भीमसेन स्टेशन के बीच गुरूवार को एक शव पडा देख अफरा-तफरी फैल गयी। राहगीरों द्वारा पुलिस को सूचित किया गया। मौके पर पहुँची पुलिस ने जहां शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा, वहीं शव की शिनाख्त के प्रयास शुरू किए।

जानकारी के अनुसार गुरूवार को रेलवे ट्रैक पर शव पडे होने की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस द्वारा आस-पास के लोगों और ग्रामीणों से शव के पहचान के संबन्ध में पूंछतांछ की गयी लेकिन काफी प्रयासों के बावजूद शव की शिनाख्त में सफलता नही मिल सकी।

संचेडी थाना प्रभारी दीनानाथ मिश्रा ने बताया कि रेलवे ट्रैंक पर शव की सूचना के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। शव के शिनाख्त का हर संभव प्रयास किया जा रहा है। मृतक के सम्बन्ध के जानकारी प्राप्त हो जाने के उपरान्त अग्रिम कार्यवाई की जायेगी।

घर से नाराज होकर निकले किशोर को आरपीएफ ने दिल्ली पुलिस को सौंपा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। परिजनों की डांट से क्षुब्ध होकर एक किशोर अकेले ही अपने घर से निकल गया। रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ द्वारा किशोर को अकेले ट्रेन में सफर करता देख ट्रेन से उतारकर आरपीएफ स्टेशन ले जाया गया, जिसे गुरूवार को दिल्ली पुलिस को सौंप दिया गया।जानकारी के अनुसार आरपीएफ को रेल मदद के माध्यम से कोच में अकेले सफर कर रहे एक नाबालिग के सम्बन्ध में सूचना मिली। पुलिस के पास किशोर की फोटो पहले से मौजूद थी। आरपीएम टीम ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तरह कोच में पंहुची तथा नाबालिग को पोस्ट पर ले आई। पुलिस ने बताया कि किशोर की उम्र 14 वर्ष है और 22 जुलाई से वह अपने घर से लापता था, जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दिल्ली के कझांवल इलाके में दर्ज कराई गयी थी। बताया गया कि सभी औपचारिकताओं को पूर्ण कर किशोर के गुरूवार को दिल्ली पुलिस को सौंप दिया गया। आरपीएफ प्रभारी एसएन पाटीदार ने बताया कि किशोर से पूंछतांछ पर जानकारी मिली कि वह अपने घर वालों से नाराज होकर भागा था, उसके घर वाले उसपर पढाई का दबाव बनाते थे और डांते थे। दिल्ली पुलिस से सारी जानकारी से मेल खाते ही पुलिस को सूचना देकर किशोर को सौंप दिया गया।

धर्मेंद्र का इस्तीफा: कांग्रेस ने बांटी मिठाई, निकाला विजय मार्च, बैरिकेडिंग पार करने पर पुलिस से हुई तीखी बहस

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद शनिवार को कांग्रेस ने छात्रों और युवाओं के बीच मिठाई बांटकर खुशी मनाई। तिलक हॉल से विजय मार्च निकालने पर कोतवाली पुलिस ने रोक दिया। कांग्रेस महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता बैरिकेडिंग पार कर आगे बढ़ें तो पुलिस अधिकारियों से बहस हो गई। उन्होंने प्रधान के इस्तीफे को छात्रों, युवाओं और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के संघर्ष की जीत बताया। बताया कि पहले कैंडल मार्च प्रस्तावित था जो अब विजय मार्च में बदल गया।

पुलिस ने उन्हें घर में नजरबंद करने का भी प्रयास किया था। तिलक हॉल में हरप्रकाश अग्निहोत्री, प्रतिभा अटल पाल, हरीश बाजपेई, संतोष त्रिपाठी, विकास सोनकर, इकबाल अहमद, अनूप श्रीवास्तव, राकेश साहू, इसरार अहमद, सैमुअल लकी सिंह, फहद अब्बासी आदि मौजूद रहे।उधर, जिला कांग्रेस कमेटी नगर ग्रामीण जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला ने कार्यकर्ताओं संग फूलबाग स्थित महात्मा गांधी प्रतिमा से डॉ. भीमराव आंबेडकर प्रतिमा तक विजय मार्च निकाला। बताया कि पुलिस ने जुलूस रोकने के लिए कहा था लेकिन कार्यकर्ताओं के अड़े रहने पर पुलिस पीछे हट गई। अंबेडकर प्रतिमा पर गेट बंद मिलने पर कार्यकर्ताओं ने बाहर प्रदर्शन किया। ग्रामीण कांग्रेस के विजय मार्च में उषा रानी कोरी, पुरुषोत्तम त्रिपाठी, सुमन तिवारी, सतीश दीक्षित, अंकित कन्नौजिया, इखलाक अहमद डेविड, दीप पांडेय, ममता तिवारी, नीरज शर्मा आदि शामिल रहे।

कांग्रेस नेताओं के अपमान और हाउस अरेस्ट के विरोध में कानपुर महानगर कांग्रेस का प्रदर्शन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। दिल्ली में छात्रों और युवाओं पर हुए लाठीचार्ज, कांग्रेस नेता राहुल गांधी,प्रियंका गांधी,राजेंद्र पाल गौतम,अजय राय समेत शीर्ष नेतृत्व के साथ हुई बदसलूकी तथा लोकतांत्रिक विरोध को दबाने के लिए कांग्रेस नेताओं को हाउस अरेस्ट किए जाने के विरोध में कानपुर महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पवन गुप्ता के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने छावनी स्थित उनके निवास पर चूड़ी भेंट सत्याग्रह करते हुए थानाध्यक्ष कैंट को राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन के साथ मोदी सरकार और विशेषकर गृह मंत्री के लिए चूड़ियां भेंट की गईं।कांग्रेसजनों ने सरकार और प्रशासन विरोधी जोरदार नारेबाजी की। पुलिस प्रशासन द्वारा पिछले दो दिनों से पवन गुप्ता को उनके आवास पर ही हाउस अरेस्ट किए जाने के कारण उन्हें जिलाधिकारी कार्यालय तक जाने की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने अपने आवास पर ही विरोध दर्ज कराते हुए पुलिस को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान उन्होंने प्रतीकात्मक रूप से मोदी सरकार विशेषकर गृह मंत्री अमित शाह के लिए चूड़ियाँ भेंट कर छात्रों और युवाओं पर हुए लाठीचार्ज तथा कांग्रेस नेताओं के अपमान और बदसलूकी के खिलाफ कड़ा विरोध जताया।

ज्ञापन में मांग की गई कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तत्काल बर्खास्त किया जाए, प्रधानमंत्री देश के छात्रों और युवाओं से सार्वजनिक रूप से माफ़ी मांगें, तथा छात्रों पर हिंसा और लाठीचार्ज करने के जिम्मेदार अधिकारियों एवं दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।पेपर लीक के कारण आत्महत्या करने वाले बच्चों के परिवार को मुआवजा दिया जाए।

बिठूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत दो शिव मंदिरों में हुई तोड़फोड़

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बिठूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ब्रह्म नगर वार्ड में बने दो शिव मंदिरों में तोड़फोड़ की घटना हुई। मंदिर की शिवलिंग और नंदी की मूर्तियां सड़क पर टूटी पड़ी मिली।

शिवलिंग

और नंदी की टूटी हुई मूर्तियां देख लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। जानकारी के अनुसार मंदिर में तोड़फोड़ के बाद इलाके में आक्रोश फैल गया। क्षेत्रीय लोगों के अनुसार दोनो मंदिर लगभग चालीस साल अधिक पुराने है। मौके पर भीड़ एकत्र हो गई।

सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस घटनास्थल पर जांच में जुट गई। फिलहाल बिठूर पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगालने में जुटी हुई है। जल्द ही मामले के खुलासे का दावा किया जा रहा है।

सहायक पुलिस आयुक्त कल्यानपुर, दिलीप कुमार सिंह ने कहा थाना बिठूर क्षेत्र के मंदिर में मूर्ति खंडित किए जाने की सूचना पर पुलिस तत्काल

मौके पर पहुंची। स्थानीय शिकायत के आधार पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया जा रहा है। घटना के संबंध में एक संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

अभद्रता का अरोप लगाते हुए महिला ने होमगार्ड को जड़े थप्पड़, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

» कारगिल पेट्रोल पंप के अण्डरपास में हुई घटना

» सीमा विवाद में उलझी नजर आई बर्रा व गुजैनी थाने की पुलिस

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। शनिवार को सोशल मीडिया में एक वीडियों वायरल हुआ और तेजी से फैल गया। वीडियों में एक महिला होमगार्ड का गिरेबान पकडे थी और उसे थप्पड़ मारती नजर आ रही थी। इतना ही नही महिला बीच-बीच में होमगार्ड को लाते भी मार रही थी। वहीं महिला होमगार्ड पर छेडखानी का आरोप लगा रही थी तो धटना स्थल पर लोग महिला के क्रिया कलाप का समर्थन करते हए उसे चप्पल पकड़ा रहे है। घटना कब की है इसकी सटीक जानकारी नही हो रही। वहीं इस बाबत कार्यवाई के नाम पर बर्रा तथा गुजैनी की पुलिस सीमा विवाद में ही उझली है।

शनिवार को एक 26 सेकेण्ड का वीडियों वायरल हुआ और तेजी से सोशल मीडिया में फैल गया, जिसमें एक महिला होमगार्ड को थप्पड़ मारती दिखाई दे रही है। मामला कारिगल पेट्रोल पंप के पास अण्डर पास का बताया जाता है। यह भी बताया जाता है कि महिला ने होमगार्ड पर छेडखानी का आरोप लगाया और उसका गिरेबान पकड़ लिया। वहीं वीडियो में दिखाई दे रहा है कि होमगार्ड ने महिला का हाथ मरोड दिया, जिसके बाद महिला ने उस पर थप्पडों की बरसात कर दी और लाते भी मारी। घटना पर लोगों ने महिला का समर्थन किया और चप्पल देते दिखाई दिये।

मामला पुलिस तक पहुंच चुका है लेकिर अभी तक घटना के बाबात कोई कार्यवाई की सूचना नही आई है। बताया जाता है कि बर्रा और गुजैनी की पुलिस सीमा विवाद में ही उलझी है। पूरी घटना के दौरान किसी प्रकार महिला की पकड से होमगार्ड ने खुद को छुडाया और भाग निकला। बर्रा थाना प्रभारी रविन्द्र श्रीवास्त ने बताया कि मामला गुजैनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत है तो वहीं गुजैनी थाना प्रभारी राजन शर्मा का कहना है कि कारगिल पेट्रोल पंप अण्डरपास बर्रा थाना क्षेत्र में आता है।

अब क्षेत्र किसी भी थाने के अंतर्गत आता हो लकिन समय-समय पर ऐसी घटनाये जरूर देखने को मिलती है कि जब थाना क्षेत्र सीमा विवाद में पुलिस ही उलझी रहती है। कम से कम पुलिस को इतना तो ज्ञान होना ही चाहिए कि उनके थाना क्षेत्र की सीमा कहां तक है।

ओ आर एस पर जागरुकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। भारतीय बालरोग अकादमी कानपुर द्वारा विश्व ओ आर एस सप्ताह के अवसर पर एस जी एम इंटरनेशल स्कूल इंदिरा नगर में ओ आर एस पर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूल के लगभग 60 बच्चो ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर शैलेंद्र गौतम, अजय खन्ना ने किया।

इस अवसर पर डॉक्टर शैलेंद्र गौतम ने बताया कि भारतवर्ष में डायरिया से मरने वाले बच्चों में चार बच्चों में एक बच्चा उत्तर प्रदेश का होता है डायरिया में मृत्यु का एकमात्र कारण शरीर में पानी की कमी है जिसको ओ आर एस देने से रोका जा सकता है बच्चों में 70 से 80 प्रतिशत वायरल के कारण डायरिया होता है डायरिया में एंटीबायोटिक का प्रयोग नहीं करना चाहिए।डॉक्टर जेके गुप्ता ने बताया कि बच्चे को बार-बार दस्त हो रहे हो, उल्टी न रुक रही हो, पेशाब कम हो रही हो तो यह सब खतरे के लक्षण होते हैं ऐसे में बच्चों को तुरंत भर्ती कराना चाहिए। कार्यक्रम मे अजय खन्ना, स्कूल प्रधानाचार्य संदीप पाठक, अजीत अग्रवाल व शिक्षक उपस्थित रहे।

अपने ऑफिस में फंदा लगाकर केमिकल व्यापारी ने की आत्महत्या

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। काकादेव थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक केमिकल व्यापारी ने अपने ही ऑफिस में फंसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शुक्रवार की देर रात तक जब वह अपने घर नही पहुंचा और उनकी पत्नी द्वारा मोबाइल करने के बाद कॉल रिसीव नही हुआ तो कार चालक तथा लाल बंगला में रहने वाले अपने पति के एक दोस्त को ऑफिस भेजा, जहां केमिकल कारोबारी का शव फंदे से झूलता मिला। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की।

जानकारी के अनुसार काकादेव क्षेत्र के आरएस पुरम निवासी 52 वर्षीय मनोज कुमार पाण्डे का दवा तथा केमिकल का कारोबार है। परिवार में उनके दो बेटे तथा पत्नी है। दोनो बेटे बाहर रहकर शिक्षा ग्रहण कर रहें है। बताया जाता है कि शास्त्री नगर की लेबर कॉलोनी में उनका ऑफिस है। रोज की तरह शुक्रवार की सुबह वह अपने घर से ऑफिस जाने के लिए निकले थे। मृतक के लाल बंगला निवासी मित्र राकेश ने बताया कि शुक्रवार की दोपहर लगभग तीन बजे मनोज का ड्राइवर ऑफिस गया था, लेकिन दरवाजा बंद होने के कारण वह वापस लौट गया।

देर रात घर वापस न पहुंचने तथा कॉल रिसीव न होने पर उनकी पत्नी ने राकेश को बताया तथा राकेश व ड्राइवर ऑफिस पहुंचे जहां बंद कमरे में आवाज लगाई, कोई जवाब न मिलने पर खिडकी का शीशा तोडा। बताया कि अन्दर का दृश्य देखकर वह स्तब्ध रह गये। कमरे में पंखे से मनोज का शव झूल रहा था, जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को उतरवाकर कार्यवाई शुरू की। थाना प्रभारी धर्मेन्द्र कुमार राम ने बताया कि मनोज ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है, आत्महत्या का कारण अभी स्पष्ट नही हो सका है यहं जांच का विषय है। कार्यवाई की जा रही है।

व्यापारियों की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चि करें लापरवाह अधिकारियों की तय होगी जवाबदेही : जिलाधिकारी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में जिला उद्योग बंधु एवं जिला व्यापार बंधु की बैठक आयोजित हुई। बैठक में व्यापारियों की समस्याओं की विभागवार समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि व्यापार मंडलों से प्राप्त सभी समस्याओं का संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि व्यापार बंधु की बैठकों में उठाए गए प्रकरणों की संबंधित विभाग नियमित समीक्षा करें तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

जिलाधिकारी ने कहा कि व्यापारिक क्षेत्रों से जुड़ी सड़क, बिजली, पेयजल, स्ट्रीट लाइट, जल निकासी तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए। यदि किसी समस्या के निस्तारण में कोई बाधा आती है तो बैठक की प्रतीक्षा किए बिना तत्काल अवगत कराया जाए, ताकि समय रहते उसका समाधान कराया जा सके।

बैठक में व्यापारियों ने शास्त्री नगर गुमटी नंबर-5 बाजार में पिंक टॉयलेट की आवश्यकता का मुद्दा उठाया। इस पर जिलाधिकारी ने नगर निगम के संबंधित अधिकारियों को उसी दिन स्थल निरीक्षण कर कार्य प्रारंभ कराने के निर्देश दिए।

व्यापारियों ने मकड़ीखेड़ा, पत्रकारपुरम क्षेत्र में खुले नाले तथा कानपुर-शुक्लागंज पुल के साथ सर्विस रोड निर्माण की मांग रखी। जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग को सड़क निर्माण तथा नगर निगम को नाले की समस्या का शीघ्र समाधान कराने के निर्देश दिए।

बैठक में व्यापारियों ने सिंचाई विभाग की बहुमूल्य भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत उठाते हुए बताया कि इस संबंध में सहायक अभियंता सिंचाई विभाग विनोद कुमार को पूर्व में अवगत कराया गया था, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए श्री विनोद कुमार के विरुद्ध लापरवाही के लिए कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही बिना पूर्व अनुमति बैठक में अनुपस्थित रहने पर अधिशासी अभियंता सिंचाई विभाग से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश भी दिए।व्यापारियों ने बाजार क्षेत्र में बड़े हो चुके पेड़ों की छंटाई न होने की शिकायत की, जबकि नगर निगम के अधिशासी अभियंता जोन-1 द्वारा छंटाई किए जाने की आख्या प्रस्तुत की गई थी। व्यापारियों द्वारा मौके पर कार्य न होने की जानकारी देने पर जिलाधिकारी ने गलत आख्या प्रस्तुत करने पर नगर निगम के संबंधित अधिशासी अभियंता जोन-1 के विरुद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए तथा मौके पर जांच कर जिम्मेदारी तय करने को कहा।बैठक में व्यापारियों ने कृषि उत्पादों पर लागू वाहन टैगिंग व्यवस्था को वापस लेने तथा दो माह की परीक्षण अवधि में किसी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई अथवा पेनाल्टी न लगाए जाने की मांग रखी। साथ ही गेट पास की समय सीमा पर पुनर्विचार करने का सुझाव दिया। इस पर जिलाधिकारी ने कहा कि शासन से प्राप्त निर्देशों का पूर्ण अनुपालन कराया जाएगा।

व्यापारियों ने किदवई नगर मार्बल मार्केट से के-ब्लॉक किदवई नगर तथा यशोदा नगर से हमीरपुर रोड तक प्रस्तावित सीएम ग्रिड की दोनों सड़कों का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर कराने का अनुरोध किया, जिस पर संबंधित विभाग को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।व्यापारियों ने वर्ष 2023 में केस्को के बिजली तारों के कारण कोपरगंज रेडीमेड एवं होजरी बाजार स्थित अर्जन कॉम्प्लेक्स में हुई अग्निकांड की घटना का उल्लेख करते हुए बाहर निकले बिजली के तारों को भूमिगत कराने की मांग की। जिलाधिकारी ने केस्को के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने नगर निगम को निर्देश दिए कि व्यापारियों के निर्माण कार्यों से संबंधित अब तक तैयार किए गए सभी प्रस्तावों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए, ताकि उनकी प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक निर्णय लिए जा सकें।बैठक में अपर जिलाधिकारी (नगर) श्री आलोक गुप्ता, डीसीपी ट्रैफिक श्री रविन्द्र कुमार, विभिन्न व्यापारी संगठनों के पदाधिकारी, संबंधित विभागों के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में व्यापारी प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

घर में बुर्का पहने घुसे 2 संदिग्ध को स्थानीय लोगों ने पकड़ा, झोले से कटर मशीन व अन्य सामान हुआ बरामद

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। सहायक पुलिस आयुक्त चकेरी आशुतोष कुमार सिंह ने बताया कि थाना चकेरी क्षेत्र के श्यामनगर स्थित एलआईजी आवास में बुर्का पहने दो संदिग्ध व्यक्तियों के घर में घुसने की सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची।महिला के शोर मचाने पर दोनों भागने लगे, जिनमें से एक को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया। मौके से एक झोले में कटर मशीन व अन्य सामान बरामद हुआ है। प्रकरण की जांच कर पूछताछ के आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत विनोबा नगर व शिवकटरा में चला सघन दस्तक अभियान

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जनपद कानपुर नगर में संचालित विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान, दस्तक अभियान एवं वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को शहरी क्षेत्र विनोबा नगर (डीटीसी-कैंट) एवं शिवकटरा (डीटीसी-हरजेन्द्र नगर) में सघन निरीक्षण एवं जनजागरूकता अभियान चलाया गया।अपर निदेशक (स्वास्थ्य) मंडल कानपुर डॉ. रेनू जोशी ने अपनी टीम के साथ दोनों क्षेत्रों का निरीक्षण कर घर-घर संचालित दस्तक अभियान की गतिविधियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (वीबीडी) डॉ. राजेश्वर सिंह, जिला मलेरिया अधिकारी अरुण कुमार सिंह, सहायक मलेरिया अधिकारी भूपेन्द्र सिंह, वरिष्ठ मलेरिया निरीक्षक प्रशान्त कुमार वर्मा, मलेरिया निरीक्षक अमित धीमान एवं नीरज गौतम, आईएफडब्ल्यू अरविन्द कुमार, पाथ के रीजनल कोऑर्डिनेटर डॉ. शिवकांत तथा यूपीएचसी कृष्णा नगर की प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. निशा गांधी सहित अन्य स्वास्थ्य अधिकारी उपस्थित रहे।निरीक्षण के दौरान यूपीएचसी कृष्णा नगर की आशा कार्यकर्ता नीरू अवस्थी एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शीला यादव तथा डीटीसी हरजेन्द्र नगर की आशा रामकुमारी एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रीना सिंह द्वारा घर-घर किए जा रहे सर्वे एवं जनजागरूकता कार्यों का भी सत्यापन किया गया।अधिकारियों ने अभियान के दौरान घर-घर पहुंचकर लोगों से स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा की गई गतिविधियों की जानकारी ली तथा संचारी एवं वेक्टर जनित रोगों से बचाव के संबंध में आवश्यक जानकारी दी। लोगों को दस्तक अभियान के अंतर्गत शामिल 12 प्रमुख संचारी रोगों के लक्षण, बचाव एवं समय पर उपचार के बारे में विस्तार से जागरूक किया गया।

विनोबा नगर क्षेत्र में भ्रमण के दौरान कुछ लोगों में खांसी एवं जुकाम के लक्षण मिलने पर उन्हें तत्काल नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच कराने की सलाह दी गई। इसी दौरान क्षेत्रीय निवासी शरद त्रिपाठी के घर में लगे कूलर का निरीक्षण कर मच्छरों के लार्वा की जांच की गई तथा जलभराव रोकने की सलाह दी गई।निरीक्षण के दौरान तारा देवी से आशा कार्यकर्ता की गतिविधियों, आभा आईडी तथा आयुष्मान भारत कार्ड की प्रगति की जानकारी ली गई। वहीं राजेन्द्र के परिवार से आयुष्मान कार्ड की पात्रता के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा वितरित किए जा रहे जागरूकता प्रपत्रों का भी निरीक्षण किया गया।

अधिकारियों ने विनोबा नगर एवं शिवकटरा में जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय नागरिकों के साथ बैठक कर वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम के उपायों पर चर्चा की। साथ ही बच्चों एवं अभिभावकों को बारिश के मौसम में जलभराव से पनपने वाले मच्छरों तथा संचारी रोगों से बचाव के संबंध में जागरूक करते हुए प्रचार सामग्री वितरित की गई।डॉ. रेनू जोशी ने शिवकटरा स्थित आंगनबाड़ी केंद्र एवं एएनएम सीमा सिंह द्वारा संचालित टीकाकरण सत्र का भी निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान पाया गया कि क्षेत्र में नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई एवं माइक्रोप्लान के अनुसार साफ-सफाई का कार्य कराया जा रहा है। पशुपालन विभाग द्वारा पशुपालकों को पशु बाड़े आबादी से बाहर रखने के लिए प्रेरित किया गया। वहीं कृषि रक्षा विभाग द्वारा स्क्रब टाइफस जैसी बीमारियों से बचाव एवं चूहों व अन्य कृन्तकों से होने वाले संक्रमण के संबंध में जानकारी दी गई।अभियान के तहत शहरी क्षेत्रों में सोर्स रिडक्शन, इंडोर स्पेस स्प्रे, लार्वानाशी दवा का छिड़काव तथा नालियों में लार्वीसाइडल स्प्रे कराया गया। साथ ही एंटोमोलॉजिकल सर्वेक्षण एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर लोगों से घरों एवं आसपास जलभराव न होने देने, पानी एकत्रित स्थानों को साफ रखने, आवश्यकतानुसार जले हुए मोबिल ऑयल अथवा केरोसीन का प्रयोग करने, मच्छररोधी क्रीम लगाने तथा पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनने की अपील की गई।

स्वास्थ्य विभाग ने आमजन से अपील की है कि संचारी रोगों से संबंधित किसी भी सूचना अथवा सहायता के लिए यूएचएम चिकित्सालय, परेड स्थित कंट्रोल रूम के हेल्पलाइन नंबर 0512-2333810 एवं 9335301096 पर संपर्क करें। इसके अतिरिक्त नगर निगम कंट्रोल रूम के हेल्पलाइन नंबर 0512-2526004 एवं 0512-2526005 पर भी सूचना देकर आवश्यक सहायता प्राप्त की जा सकती है। सम्बन्धित सूचना प्राप्त होने पर विभागीय टीम द्वारा तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

36 दिन के आंदोलन की बड़ी जीत!

नीट विवाद के बीच शिक्षा मंत्री

धर्मेंद्र प्रधान ने दिया इस्तीफा

36 दिनों तक चले धरने के बाद शिक्षा मंत्री का इस्तीफा आंदोलनकारियों की पहली और सबसे बड़ी राजनीतिक सफलता माना जा रहा

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक और परीक्षा प्रणाली में कथित अनियमितताओं को लेकर देशभर में उभरे छात्र आंदोलन के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। पिछले 36 दिनों से दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे धरना-प्रदर्शन में आंदोलनकारियों की प्रमुख मांग शिक्षा मंत्री का इस्तीफा थी। छात्रों और विभिन्न संगठनों का कहना था कि परीक्षा प्रणाली में भरोसा बहाल करने के लिए जवाबदेही तय होना आवश्यक है और धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से कम पर आंदोलन समाप्त नहीं होगा।

धर्मेंद्र प्रधान ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से इस्तीफा पत्र

सार्वजनिक करते हुए इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि युवाओं की आकांक्षाओं, शिक्षा व्यवस्था में विश्वास तथा लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करते हुए उन्होंने यह निर्णय लिया है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि देश के विद्यार्थियों का भविष्य किसी भी राजनीतिक विवाद से ऊपर है। नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक और अन्य अनियमितताओं के आरोपों के बाद देशभर में विरोध प्रदर्शन तेज हो गए थे। जंतर-मंतर का आंदोलन धीरे-धीरे राष्ट्रीय स्वरूप ले चुका था और कई राज्यों में भी छात्रों ने प्रदर्शन किए। आंदोलन के दौरान सरकार पर परीक्षा प्रणाली में सुधार, दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई और राजनीतिक जवाबदेही सुनिश्चित करने का दबाव लगातार बढ़ता गया। प्रधान के इस्तीफे को आंदोलन की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। हालांकि आंदोलन से जुड़े कई संगठनों ने स्पष्ट किया है कि उनकी लड़ाई केवल इस्तीफे तक सीमित नहीं है। उनका कहना है कि परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार, पारदर्शी जांच, दोषियों को कठोर दंड तथा भविष्य में पेपर लीक रोकने के लिए स्थायी व्यवस्था होने तक आंदोलन जारी रहेगा। राजनीतिक हलकों में भी इस घटनाक्रम को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विपक्ष ने इसे छात्रों की जीत और सरकार पर बढ़ते जनदबाव का परिणाम बताया है, जबकि केंद्र सरकार का कहना है कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार और परीक्षाओं की विश्वसनीयता बहाल करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

प्रधान के इस्तीफे के बाद सीजेपी ने खत्म किया आंदोलन, नड्डा-जितेंद्र सिंह से मुलाकात

» बीपीएस न्यूज

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों और आंदोलन की अगुवाई कर रही कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के प्रतिनिधिमंडल के बीच हुई बातचीत में संगठन की अन्य मांगों को सरकार द्वारा मान लिये जाने के बाद कॉजपा ने अपना आंदोलन समाप्त करने का ऐलान किया। प्रधान ने दोपहर में सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा कि पिछले 10 दिन के घटनाक्रम से उनका मन बेहद दुखी है और यह उनके लिए व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का विषय नहीं है।प्रधान ने कहा, जंतर-मंतर पर और देश में जो स्थिति बनी है, उसका राष्ट्र-विरोधी ताकतें लाभ न उठाएं, देश की एकता बनी रहे, भारत के एक भी विद्यार्थी का भविष्य कानूनी पेचीदगियों में न उलझे, हमारे बच्चे अपना समय पढ़ाई में लगाएं, करियर बनाने पर ध्यान केंद्रित करें,

इसी बात पर विचार करते हुए मैंने अपना त्यागपत्र प्रधानमंत्री को भेज दिया है।इस बीच, छात्रों के आंदोलन की अगुवाई कर रही कॉजपा ने घोषणा की कि वह केंद्र सरकार से नीट प्रश्नपत्र लीक विवाद के बाद कथित तौर पर आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिजन को एक-एक करोड़ रुपए का मुआवजा देने और 20 जुलाई को संगठन के संसद चलो मार्च में शामिल प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी वापस लेने का आश्वासन मिलने के बाद अपना विरोध-प्रदर्शन तत्काल प्रभाव से समाप्त कर रही है।

कॉजपा प्रवक्ता सौरव दास ने यहां कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक के बाद कहा, हम सभी प्रदर्शनकारियों से अपने-अपने घर लौटने का आग्रह करते हैं, क्योंकि सरकार ने हमारी मांगें मान ली हैं। वहीं, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने संवाददाताओं से कहा कि सरकार प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकियों को वापस लेने के लिए कदम उठाएगी।प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में प्रधान सार्वजनिक विवाद के बाद इस्तीफा देने वाले दूसरे केंद्रीय मंत्री हैं।

नीट विरोध प्रदर्शन हिंसक, कई जगह पथराव; पटना में तेज प्रताप यादव हिरासत में

» बीपीएस न्यूज

छपरा। परीक्षा में कथित अनियमितताओं और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर शनिवार को बिहार बंद के दौरान कई जिलों में प्रदर्शन हिंसक हो गए। छपरा और पटना में प्रदर्शनकारियों तथा पुलिस के बीच झड़प और पथराव हुआ, जबकि औरंगाबाद में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने कई स्थानों पर बल प्रयोग कर स्थिति को नियंत्रित किया। पटना में प्रदर्शन में शामिल जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव को भी हिरासत में लिया गया।छपरा में प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर पुलिस पर पथराव किया गया। सूचना मिलते ही सारण के जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाकर हालात पर काबू पाया।

धिकारियों के अनुसार कानून-व्यवस्था फिलहाल नियंत्रण में है, हालांकि क्षेत्र में तनाव बना हुआ है।पटना के गांधी मैदान में छात्रों के समर्थन में तेज प्रताप यादव प्रदर्शन में शामिल हुए। बाद में पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। हिरासत में लिए जाने के दौरान तेज प्रताप ने कहा कि छात्रों की मांगें जायज हैं और सरकार को उन्हें स्वीकार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह छात्रों और युवाओं के साथ मजबूती से खड़े हैं।बिहार बंद के दौरान विभिन्न जिलों में छात्रों और छात्र संगठनों ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार, नीट परीक्षा में कथित गड़बड़ियों की जांच और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। समस्तीपुर में ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन के कार्यकर्ताओं ने समस्तीपुर-पटना मुख्य मार्ग जाम कर दिया। बिहार बंद के आह्वान के बाद राज्य के विभिन्न हिस्सों में छात्र संगठनों और विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। पटना के राम गुलाम चौक पर बड़ी संख्या में लोग एकत्र होकर प्रदर्शन करने लगे। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को वहां से हटाने का प्रयास किया। इस दौरान

प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की और झड़प हुई। स्थिति पर नियंत्रण के लिए मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया।प्रदर्शनकारी नीट पेपर लीक मामले की निष्पक्ष जांच, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और छात्र आंदोलन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई का विरोध कर रहे हैं।

संसद प्रदर्शन हिंसा मामले में पहली एफआईआर में हत्या के प्रयास समेत 13 धाराओं में मामला दर्ज

» बीपीएस न्यूज

नयी दिल्ली। संसद के निकट 20 जुलाई को हुई हिंसा के मामले में दर्ज पहली एफआईआर में हत्या के प्रयास समेत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की 13 धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस का आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़ने का प्रयास किया, सुरक्षाकर्मियों पर हमला किया तथा सरकारी और निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया।पुलिस के अनुसार, एफआईआर कर्तव्य पथ थाने में तैनात एक इंस्पेक्टर की शिकायत पर दर्ज की गई है। घटना राफी मार्ग स्थित रेल भवन गोलचक्कर के पास हुई, जहां प्रदर्शनकारी संसद की ओर मार्च करने का प्रयास कर रहे थे।

एफआईआर में कहा गया है कि इंस्पेक्टर की ड्यूटी सुबह पांच बजे से सी-हेक्सागन, जोन-11 (पिंक बूथ) पर लगी थी। वायरलेस संदेश मिलने के बाद पुलिस टीम रेल भवन गोलचक्कर के पास लगाए गए बैरिकेड तक पहुंची, जहां हजारों प्रदर्शनकारी एकत्र थे।एफआईआर के अनुसार, पुलिस ने लाउडस्पीकर के माध्यम से कई बार घोषणा की कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 लागू है और प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी गई है। इसके बावजूद प्रदर्शनकारी नारेबाजी करते रहे और वहां से हटने से इनकार करते रहे।पुलिस का आरोप है कि कुछ लोगों ने भीड़ को बैरिकेड

तोड़कर संसद की ओर बढ़ने के लिए उकसाया।

शिकायत में कहा गया है कि प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों को घेर लिया, उनके साथ मारपीट की, पथराव किया और चप्पलें फेंकीं। पुलिस के अनुसार, इस हमले में कई पुलिसकर्मी घायल हुए तथा सरकारी संपत्ति और निजी वाहनों को भी नुकसान पहुंचा।एफआईआर में कहा गया है कि संसद और अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को देखते हुए पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हल्का लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े।मामले में बीएनएस की धारा 109(1) (हत्या का प्रयास) सहित लोक सेवकों पर हमला, सरकारी कार्य में बाधा, गैरकानूनी जमावड़ा, दंगा, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और मानव जीवन को खतरे में डालने से संबंधित कुल 13 धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, 20 जुलाई की झड़पों में 129 पुलिसकर्मी और 60 से अधिक प्रदर्शनकारी घायल हुए।

प्रहलाद जोशी बने नये शिक्षा मंत्री, धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मंजूर

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी को शनिवार को धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे के बाद शिक्षा मंत्री नियुक्त किया गया है। जोशी को उनके उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अतिरिक्त शिक्षा मंत्रालय का प्रभार सौंपा गया है। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में राष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सलाह पर प्रधान का इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया गया है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति ने कैबिनेट मंत्री जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपने का निर्देश दिया है। इससे पहले प्रधान ने देशभर में कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के नेतृत्व में हुए आंदोलन के बाद प्रधान ने पद से इस्तीफा दे दिया। प्रदर्शनकारियों ने नीट प्रश्नपत्र लीक विवाद को लेकर प्रधान के इस्तीफे की मांग की थी।

शिक्षा व्यवस्था पर राहुल गांधी की हुंकार

धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा पहला कदम पीएम मोदी अब भी माफी मांगें

» बीपीएस न्यूज

राहुल गांधी ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े को भारत की शिक्षा व्यवस्था को फिर से बनाने की दिशा में एक प्रतीकात्मक एवं अहम कदम बताया है। हालांकि, उन्होंने इस पर जोर दिया कि छात्रों पर कार्रवाई के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से माफ़ी की मांगें अभी भी अधूरी हैं।

विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े को भारत की शिक्षा व्यवस्था को फिर से बनाने की दिशा में एक प्रतीकात्मक और अहम कदम बताया। साथ ही, उन्होंने छात्रों पर की गई कार्रवाई के लिए ज़िम्मेदार अधिकारियों के

खिलाफ कार्रवाई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से माफ़ी की मांग की। धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफ़े की घोषणा की। यह एक दुर्लभ मामला है जब मोदी सरकार के किसी वरिष्ठ मंत्री ने लगातार हो रहे विरोध-प्रदर्शनों और राजनीतिक दबाव के बीच अपने पद से इस्तीफ़ा दिया है। राहुल गांधी ने कहा कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफ़ा हमारी शिक्षा व्यवस्था को फिर से बनाने की दिशा में एक बहुत बड़ा कदम है। यह एक प्रतीकात्मक कदम है क्योंकि वे खुद एक प्रतीक थे, लेकिन फिर भी यह एक बड़ा कदम है। मैं हर उस छात्र और युवा को बधाई देना चाहता हूँ जो सड़कों पर उतरे और लोकतंत्र के लिए, देश के भविष्य के लिए और संविधान की रक्षा के लिए लड़े। मुझे आप पर गर्व है। बहुत बढ़िया... मैं सरकार को याद दिलाना चाहता हूँ- अभी भी दो माँगें बाकी हैं।

उन्होंने विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने वाले छात्रों और युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि मैं हर उस छात्र और युवा को बधाई देना चाहता हूँ जो सड़कों पर उतरे और लोकतंत्र के लिए, देश के भविष्य के लिए लड़े, और संविधान की रक्षा की। मुझे आप पर गर्व है। बहुत बढ़िया। गांधी ने कहा कि इस्तीफ़े से समाज के दूसरे वर्गों को भी एक संदेश गया है। उन्होंने कहा कि यह समाज के दूसरे हिस्सों - किसानों, मज़दूरों, ग़रीबों और उन सभी लोगों के लिए भी एक संकेत है जिन पर यह सरकार हमला कर रही है और उनका दमन कर रही है।

सीएम योगी ने कहा, मिट्टी में मिलेंगे नीट के नकल माफिया जब्त होंगी संपत्तियां

» बीपीएस न्यूज

फतेहपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को नीट के नकल माफिया व सैफई परिवार पर जमकर निशाना साधा। कहा कि देश के प्रधानमंत्री युवाओं के भविष्य को लेकर चिंता कर रहे हैं। बीते तीन दिनों में बड़े निर्णय लिए गये हैं। सोमवार को संसद में बिल लाया जाएगा। अब नीट के नकल माफिया भी मिट्टी में मिलेंगे और उनकी जुटाई गयी संपत्तियां भी जब्त होगी।2017 से पहले यूपी के विकास का अधिकांश पैसा सैफई के नाच गाने में खर्च होता था। अब हर क्षेत्र में विकास हो रहा है। पिछले नौ साल में वर्तमान सरकार नौ लाख नौकरी बिना भेदभाव के दी है, इन्हीं भर्तियों को लेकर पहले चाचा-भतीजे झोला लेकर वसूली करते थे। उन्होंने सदर व अयाह-शाह विधानसभा क्षेत्र की 489 करोड़ की

परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया।कानपुर-प्रयागराज हाईवे के किनारे मदारीपुर कला मैदान में जनसभा में बोलते हुए सीएम ने कहा कि सपा-कांग्रेस घड़ियाली आंसू बहाकर सत्ता की कुर्सी पाने के अपने सपने के लिए काम कर रही हैं। उन्हें छात्रों से सरोकार नहीं है। अब मोदी सरकार छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले नकल माफिया को 10 वर्ष की सजा और 10 करोड रुपये जुर्माने व्यवस्था कर रही है।

वर्ष 2012 से 2017 में जितनी भर्तियां निकलीं, सब विवादित हुईं। मेरिट का ख्याल नहीं रखा गया। मुख्यमंत्री ने विकास, खेत-खलिहान, गांव से लेकर युवाओं की बात करते हुए संवाद किया। उन्होंने राजकीय मेडिकल कालेज में बीएससी नर्सिंग के लिए शिलान्यास किया।

युवाओं ने झुकाई सरकार, अब तानाशाही नहीं चलेगी:ओवैसी

मुरादाबाद । मुरादाबाद पहुंचे ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह देश के युवाओं के संघर्ष, जद्दोजहद और कुर्बानी की बड़ी जीत है। उन्होंने कहा कि यह हक की झूठ पर जीत है।यह उन तमाम नौजवानों की कामयाबी है जिन्होंने अपने अधिकारों के लिए संघर्ष किया। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि मोदी सरकार यह समझती है कि वह कुछ भी कर सकती है, तो इस आंदोलन ने साफ संदेश दे दिया है कि देश में तानाशाही नहीं चलेगी।उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को संविधान के दायरे में रहकर ही चलाना होगा। ओवैसी ने उम्मीद जताई कि भविष्य में राष्ट्रीय या राज्य स्तर की किसी भी प्रतियोगी परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक जैसी घटनाएं नहीं होंगी और युवाओं का विश्वास कायम रहेगा।कार्यक्रम के दौरान बिजली आपूर्ति बाधित होने पर उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुसलमानों के पास अब बड़ा राजनीतिक विकल्प है और आने वाले विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी बेहतर प्रदर्शन करेगी।

अब 'वंदे मातरम' का अपमान करने पर होगी कड़ी सजा?

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने शुक्रवार को राज्यसभा में एक बिल पेश किया। इस बिल का मकसद 'वंदे मातरम' गाने के दौरान उसका अपमान करने या उसमें बाधा डालने को आपराधिक कानून के दायरे में लाना है। 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026', जिसे उच्च सदन में पेश करने के लिए सूचीबद्ध किया गया था, का मकसद 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971' में संशोधन करना है। प्रस्तावित कानून राष्ट्रीय गीत को कानूनी सुरक्षा देगा और इसे मौजूदा कानून के तहत पहले से शामिल अन्य राष्ट्रीय प्रतीकों के समान कानूनी दर्जा दिलाएगा। एक्ज़क्यूटिवब्रांच

यह कदम 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ के समारोहों के दौरान उठाया गया है और सरकारी कार्यक्रमों में इसे गाने के लिए नियम तय करने की सरकार की पिछली कोशिशों के बाद आया है। इस प्रस्तावित संशोधन का मुख्य मकसद 'वंदे मातरम' के अपमान से जुड़े कुछ कामों को कानूनी रूप से दंडनीय बनाना है। इस बिल में उन कामों को शामिल करने की कोशिश की गई है जिनसे जानबूझकर राष्ट्रगीत गाने से रोका या बाधा डाली जाती है, साथ ही ऐसा व्यवहार भी जो इसके अपमान के बराबर हो। ÷अपमान÷ की सटीक परिभाषा क्या होगी, यह बहुत महत्वपूर्ण होगा, खासकर यह तय करने में कि असल में कानून कैसे लागू किया जाएगा।

फिलहाल, 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971' राष्ट्रीय प्रतीकों ङ्क जैसे भारतीय राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान 'जन गण मन' ङ्क के अपमान से जुड़ी खास हरकतों के खिलाफ कानूनी सुरक्षा देता है। इस संशोधन का मकसद इस कानूनी ढांचे का विस्तार करना है ताकि इसमें 'वंदे मातरम' को भी शामिल किया जा सके। यह प्रस्तावित कानून 'वंदे मातरम' के 150 साल पूरे होने के मौके पर लाए जाने वाले कार्यक्रमों के बीच पेश किया गया है। यह गीत भारत की आज़ादी की लड़ाई से गहराई से जुड़ा हुआ है।बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा लिखा गया और बाद में उनके उपन्यास 'आनंदमठ' में शामिल किया गया 'वंदे मातरम' आज़ादी की लड़ाई के दौरान लोगों को एकजुट करने वाला एक अहम गीत बन गया था और इसे भारत के राष्ट्रीय गीत का दर्जा प्राप्त है। सरकार ने सरकारी कार्यक्रमों में इस गीत को ज़्यादा अहमियत देने की कोशिश की है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पहले उन सरकारी कार्यक्रमों के लिए गाइडलाइंस जारी की थीं, जहाँ राष्ट्रगान के साथ-साथ 'वंदे मातरम' भी गाया या बजाया जाता है।

स्वस्थ रहना है तो बरसात के मौसम में गलती से भी न खाएं ये सब्जियां

बरसात का मौसम गर्मी से राहत तो दिलाता है, लेकिन अपने साथ कई तरह की बीमारियां और इंफेक्शन भी लाता है। मॉनसून में हवा में नमी और नमी के कारण बैक्टीरिया, फंगस और कीड़े-मकोड़े बहुत तेजी से पनपते हैं। इस मौसम में हमारी पाचन शक्ति भी थोड़ी कमजोर हो जाती है।

ऐसे में गलत खान-पान पेट दर्द, फूड प्वाइजनिंग और दस्त का कारण बन सकता है। वैसे तो हरी सब्जियां सेहत के लिए फायदेमंद मानी जाती हैं, लेकिन बरसात के दिनों में कुछ सब्जियों का सेवन आपकी सेहत बिगाड़ सकता है। आइए जानते हैं ऐसी ही 4 सब्जियों के बारे में, जिन्हें मॉनसून में खाने से बचना चाहिए। आहार

» पालक और अन्य पत्तेदार सब्जियां न खाएं

पालक, मेथी और चौलाई जैसी हरी पत्तेदार सब्जियों में बरसात के दौरान छोटे-छोटे कीड़े और उनके अंडे छिप जाते हैं। खेत से बाजार तक पहुंचने के दौरान इन सब्जियों पर गंदा पानी और कीचड़ जमा रहता है, जिससे बैक्टीरिया फैलने का खतरा बढ़ जाता है। अगर इन्हें सही से साफ न किया जाए, तो पेट में इंफेक्शन हो सकता है।

» पत्तागोभी और फूलगोभी न खाएं

पत्तागोभी की परतों के बीच और फूलगोभी की संरचना में बारीक कीड़े बहुत आसानी से छिप जाते हैं। कई बार पानी से अच्छी तरह धोने के बाद भी ये पूरी तरह साफ नहीं हो पाते। इन्हें खाने से पेट में ऐंठन, उल्टी और पेट खराब होने की समस्या हो सकती है।

» बैंगन न खाएं

बरसात के दिनों में बैंगन में कीड़े होना बहुत आम बात है। मॉनसून में मिलने वाले बैंगन अंदर से सड़े हुए या कीड़े युक्त हो सकते हैं। कीड़े वाले बैंगन का सेवन करने से स्किन एलर्जी, पेट की खराबी और एसिडिटी की समस्या हो सकती है।

» मशरूम खाने से बचें

मशरूम नमी वाली जगहों पर ही उगते हैं। बरसात के मौसम में नमी बहुत ज्यादा होने के कारण इन पर फंगस और बैक्टीरिया का खतरा दोगुना हो जाता है।

अगर मॉनसून में सही से स्टोर न किए गए मशरूम खाए जाएं, तो फूड प्वाइजनिंग और गंभीर इंफेक्शन हो सकता है।

क्या आप की हड्डियों में हो रही है 'कट-कट' की आवाज
जाने कब है नॉर्मल और कब है खतरे की घंटी?

आमतौर पर उम्र बढ़ने के साथ हड्डियों की समस्याएं बढ़ती हैं। लेकिन अब कम उम्र में भी लोग इसका शिकार हो रहे हैं, जिसकी मुख्य वजह खराब लाइफस्टाइल और पोषक तत्वों की गड़बड़ी है। अगर आपको भी उठने-बैठने के दौरान हड्डियों के चटकने की कट-कट आवाज आती है, तो आपको सावधान हो जाना चाहिए। आमतौर पर माना जाता है कि कट-कट की आवाज का मतलब हड्डियां घिस रही हैं, लेकिन हर चटकने वाली आवाज की यही वजह हो ऐसा जरूरी नहीं है।

कई बार यह जोड़ों के अंदर मौजूद गैस के बुलबुलों के फूटने, लिंगामेंट और टेंडन के अपनी जगह बदलने या फिर लंबे समय तक एक ही स्थिति में रहने से यह समस्या होती है। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक अगर सिर्फ चटकने की आवाज आ रही है, तो यह बहुत गंभीर समस्या नहीं है। लेकिन अगर इसके साथ सूजन, दर्द, जकड़न, चलने-फिरने में समस्या या फिर जोड़ बार-बार लॉक हो रहे हैं। तो आपको अलर्ट हो जाना चाहिए।

हड्डियों की दिक्कतें

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक लोगों की खराब हो रही लाइफस्टाइल जैसे घंटों तक कुर्सी पर बैठकर काम करना, फिजिकल एक्टिविटी में कमी होना और मोटापे की समस्या ने हड्डियों की समस्या को काफी हद तक बढ़ा दिया है।

वहीं विटामिन डी और कैल्शियम की कमी का भी हड्डियों और जोड़ों पर असर होता है।

उम्र बढ़ने के अलावा शरीर में होने वाले बदलाव भी जोड़ों की समस्याओं को बढ़ा रहे हैं।

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक जोड़ों से आने वाली चटकने की आवाज को मेडिकल भाषा में क्रेपिटस कहा जाता है। आमतौर पर यह सामान्य मानी जाती है।

जोड़ों के अंदर मौजूद सिनोवियल फ्लूइड में घुली गैसें दबाव के बदलने पर छोटे बुलबुले बनाती और फूटती है। जिससे यह चटकने की आवाज आती है।

वहीं टेंडन या लिगामेंट का हड्डी के ऊपर से खिसकने से भी ऐसी आवाजें पैदा कर सकता है।

अगर चटकने की आवाज बिना दर्द या सूजन के आती है, तो इसको चिंता नहीं मानी जाती है।

किन लोगों को ज्यादा खतरा

आमतौर पर कार्टिलेज का घिसाव उम्र बढ़ने के साथ बढ़ सकता है। इसलिए बुजुर्गों में यह समस्या ज्यादा देखी जाती है।

वहीं वेट ज्यादा होने से भी कूल्हों और घुटनों पर एक्स्ट्रा दबाव पड़ता है।

फिजिकल एक्टिविटी में कमी, लंबे समय तक बैठे रहने वालों में या फिर घुटनों पर चोट की वजह भी आपको कई दिक्कतें हो सकती हैं।

महिलाओं में मेनोपॉज होने के बाद होने वाले हार्मोनल बदलाव से भी हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। जिससे कट-कट की आवाज आ सकती हैं।

ऐसे करें बचाव

एक्सपर्ट के मुताबिक अगर हड्डियों के चटकने के साथ-साथ सूजन, तेज दर्द या जोड़ गर्म महसूस होते हैं।

या फिर बार-बार लॉक होने की वजह से चलने में समस्या हो रही है, तो इसकी जांच जरूर कराएं।

वहीं नियमित व्यायाम और फिजिकट एक्टिविटी से जोड़ों पर कम दबाव पड़ता है।

वेट कंट्रोल में रखने से कूल्हों और घुटनों पर अनावश्यक भार कम होता है।

वहीं संतुलित डाइट लेनी चाहिए। अपनी डाइट में कैल्शियम, प्रोटीन और विटामिन डी वाली चीजों को शामिल करें। इससे हड्डियां मजबूत होती है।

मौन देता है मुखर समाधान आत्मसंवाद की साधना

मौन केवल चुप रहने का नाम नहीं, बल्कि स्वयं के भीतर उतरने की एक गहन साधना है। यह आत्मसंवाद, आत्मबोध और जीवन के गूढ़ प्रश्नों के समाधान का मार्ग प्रशस्त करता है। चुप्पी बाहरी होती है, जबकि मौन मन और चेतना की आंतरिक अवस्था है।

मौन का तात्पर्य महज चुप्पी नहीं होता, जैसा कि सामान्यतः लोग समझते हैं। मौन का संबंध हमारे भीतर से होता है, जबकि चुप्पी बाहर घटित होती है। मौन और चुप्पी में वही अंतर होता है, जो फूल और उसकी सुगंध में होता है। मौन की साधना करने का मतलब भीतर की यात्रा करना होता है। जाहिर है कि जिसने जीवन भर बोलने का अभ्यास किया हो, अर्थात्‌ बाहर की यात्राएं की हों, उसके लिए मौन की साधना करना, यानी भीतर की यात्रा–अंतर्यात्रा–पर चलना अत्यंत कठिन होता है। लेकिन यदि अभ्यास से धीरे-धीरे मौन सधने लगे तो उसे अद्भुत अनुभव होने लगते हैं।

हमारी संस्कृति में मौन की बड़ी महिमा है। ऐसी मान्यता है कि मौन में समाधान मुखर होता है। इसलिए मौन में जीवन के गूढ़तम प्रश्नों का समाधान खोजा जा सकता है। यदि कोई ऐसी समस्या हो, जिसका समाधान लंबे समय से नहीं हो पा रहा हो, तो मौन मार्ग दिखा सकता है। यही कारण है कि अध्यात्म जगत में मौन के बिना आगे की यात्रा संभव नहीं मानी जाती, क्योंकि मौन ही वह साधन है, जिसके माध्यम से अध्यात्म के शिखर तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त होता है।

चाहे महात्मा बुद्ध हों या वर्धमान महावीर, संत रामदास हों या संत कबीरदास, संत तुलसीदास हों या संत सूरदास, आचार्य चाणक्य हों या स्वामी रामकृष्ण परमहंस, बाबा फरीद हों या रहीम, स्वामी विवेकानंद हों अथवा पश्चिम के ईसा मसीह–सभी ने मौन को अत्यंत महत्व दिया है। कहें तो उनके जीवन में मौन ने बड़ी भूमिका निभाई है। यही कारण है कि हमारे ऋषियों और मनीषियों ने भी इसकी बड़ी महिमा बताई है।

कहा जाता है कि ज्ञान की प्राप्ति के बाद वर्धमान महावीर ने 12 वर्षों तक और महात्मा बुद्ध ने सात दिनों तक मौन की साधना की थी। उसके पश्चात उन्होंने बोलना आरंभ किया था। इसी प्रकार ईसा मसीह भी उपदेश देने से पहले कुछ समय मौन में रहे थे। शास्त्रों में वर्णित है कि भगवान गणेश ने भी मौन की साधना की थी। इससे संबंधित एक कथा के अनुसार महर्षि वेदव्यास द्वारा महाभारत का लेखन कराते समय भगवान गणेश पूरी अवधि तक मौन साधे रहे थे। ये सभी दृष्टांत इस बात के प्रमाण हैं कि अध्यात्म के मार्ग पर चलने वाले व्यक्ति को सर्वप्रथम मौन को साधने का प्रयास करना चाहिए। लेकिन प्रश्न यह है कि मौन को साधा कैसे जाए, क्योंकि मौन को साधना कोई सरल कार्य नहीं है। वस्तुतः यह आध्यात्मिक साधकों के लिए जितना आवश्यक है, उतना ही कठिन भी है।

इसकी कठिनाई का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि आरंभिक चरणों में मौन की साधना करने वाला, अर्थात्‌ चुप रहने वाला व्यक्ति, अपने भीतर इतना अधिक बोलने लगता है कि उसकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी यही स्मरण रखना हो जाती है कि वह मौन की साधना कर रहा है... कि उसे कुछ बोलना नहीं है... और इस प्रकार धीरे-धीरे 'कुछ बोलना नहीं है' को याद रखना ही उसका मुख्य काम बन जाता है। परिणामस्वरूप मौन उससे छूट जाता है और वह बरबस ही बोल पड़ता है।

आध्यात्मिक गुरु ओशो ने इस संदर्भ में एक बड़ी रोचक सूफी कहानी कही है। कहानी के अनुसार एक गुरु ने अपने चार शिष्यों को मौन की साधना करने के लिए कहा। चारों शिष्य धार्मिक स्थल में बैठकर मौन की साधना करने लगे। शाम का समय था। और कार्य करने वाला एक सेवक उधर से गुज़रा ही था कि पहला मौनव्रती बोल उठा– 'ज़रा दीया जला दो भाई! सांझ हो आई है।इस दिन संत-महात्मा यात्राएं बंद कर देते हैं और चार महीनों के लिए एक जगह रुककर स्थायी प्रवास करते हैं। इस दौरान ये वहां प्रवचन, साधना और धर्म चर्चा करते हैं। महाराष्ट्र में इस दिन लाखों 'वारकरी' यानी नियमित रूप से भगवान विट्ठल (विठोबा) के दर्शन के लिए पंढरपुर की यात्रा करते हैं। इन यात्रियों को ही 'वारकरी' कहा जाता है। दरअसल, वारकरी महाराष्ट्र के प्रसिद्ध वारकरी संप्रदाय के अनुयायी होते हैं, जिनके आराध्य देव श्री विट्ठल-रुक्मिणी मंदिर में विराजमान भगवान विट्ठल हैं, जिन्हें भगवान कृष्ण या विष्णु का स्वरूप माना जाता है। महाराष्ट्र की भव्य सांस्कृतिक यात्रा वारकरी परंपरा की प्रमुख विशेषता है। यह हर वर्ष आषाढ़ी एकादशी और कार्तिक एकादशी को होती है, जब वारकरी यानी पैदल यात्री भजन, कीर्तन और अभंग गाते हुए पंढरपुर पहुंचते हैं।

ORS और Zinc समय पर देकर हर बच्चे की बचाई जा सकती है जान
दस्त से नहीं, डिहाइड्रेशन से होती है मृत्यु

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। विश्व ओआरएस सप्ताह के उपलक्ष्य में एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स कानपुर द्वारा बाल रोग विभाग, जी.एस.वी.एम. मेडिकल कॉलेज, कानपुर में एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस वार्ता में एकेडमी के अध्यक्ष डॉ. जे. के. गुप्ता, सचिव डॉ. शैलेन्द्र गौतम, डॉ. अरुण आर्या तथा डॉ. अमितेश यादव उपस्थित रहे।इस अवसर पर डॉ. जे. के. गुप्ता ने बताया कि दस्त (आज भी बच्चों की मृत्यु के सबसे बड़े कारणों में से एक है, जबकि इसका सबसे सरल, सुरक्षित एवं प्रभावी उपचार ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन (ह्न्रूस्) और जिंक है। उन्होंने कहा कि समय पर ओआरएस और जिंक देने से अधिकांश बच्चों की जान बचाई जा सकती है तथा अनावश्यक अस्पताल में भर्ती होने से भी बचा जा सकता है। कहा पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चों में दस्त मृत्यु का तीसरा सबसे बड़ा कारण है। भारत में प्रतिवर्ष दस्त से लगभग 4.62 लाख लोगों की मृत्यु होती है। उत्तर प्रदेश में प्रतिवर्ष लगभग 28,000 पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दस्त के कारण हो जाती है।

डॉ. शैलेन्द्र गौतम ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य समुदाय ने वर्ष 2030 तक दस्त से पीड़ित कम से कम 70 प्रतिशत बच्चों को ओआरएस उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया है। भारत में राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (ह्स्न॥स्-5) के अनुसार दस्त से पीड़ित 60.6 प्रतिशत बच्चों को ओआरएस दिया जाता है,

जबकि उत्तर प्रदेश में यह आंकड़ा केवल 50.7 प्रतिशत है। इसका अर्थ है कि प्रदेश में लगभग आधे बच्चे दस्त होने पर भी ओआरएस से वंचित रह जाते हैं। डॉ. अरुण आर्या ने कहा अनेक अभिभावक बिना चिकित्सकीय सलाह के बच्चों को एंटीबायोटिक या दस्त रोकने वाली दवाइयाँ देना शुरू कर देते हैं, जबकि अधिकांश तीव्र दस्त में इनकी आवश्यकता नहीं होती। इससे दवाओं के प्रति प्रतिरोध बढ़ता है और बच्चे को अनावश्यक दुष्प्रभावों का सामना करना पड़ता है।

डॉ. अमितेश यादव ने अभिभावकों से अपील की कि बच्चे को दस्त होने पर घबराने के बजाय तुरंत ओआरएस देना प्रारंभ करें, चिकित्सक की सलाह पर 14 दिनों तक जिंक की दवा दें,

बच्चे को स्तनपान एवं सामान्य भोजन जारी रखें तथा निर्जलीकरण के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत अस्पताल पहुँचें। एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स कानपुर द्वारा 25 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक पूरे शहर में विश्व ओआरएस सप्ताह व्यापक जनजागरूकता अभियान के रूप में मनाया जाएगा। इस दौरान विभिन्न अस्पतालों, स्वास्थ्य केन्द्रों, विद्यालयों तथा सार्वजनिक स्थानों पर ओआरएस जागरूकता कार्यक्रम, ओआरएस कॉर्नर, जनजागरण अभियान, चिकित्सकों एवं केमिस्टों के साथ बैठकें, पोस्टर एवं चित्रकला प्रतियोगिताएँ, जनसंपर्क कार्यक्रम तथा अन्य गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी।

बारिश से प्रभावित कानपुर के उद्यमियों-व्यापारियों को तत्काल राहत दे सरकार :पवन गुप्ता

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। लगातार हुई भारी बारिश से दादा नगर, पनकी औद्योगिक क्षेत्र, फजलगंज, साइट नंबर-1, साइट नंबर-2, गुमटी नंबर-5, कल्याणपुर, जाजमऊ सहित शहर के कई व्यापारिक एवं औद्योगिक क्षेत्रों में जलभराव से व्यापारियों और उद्यमियों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है।इस गंभीर समस्या को लेकर कानपुर महानगर कांग्रेस की ओर से तिलक हाल में जिलाध्यक्ष पवन गुप्ता के नेतृत्व में बैठक आयोजित की गई, जिसमें बारिश से प्रभावित व्यापारियों एवं उद्यमियों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

विभिन्न व्यापारियों और कांग्रेस के व्यापार प्रकोष्ठ से जुड़े व्यापारियों ने इन मामलों को महानगर कांग्रेस तक पहुंचाया।बैठक में कहा गया कि जलभराव के कारण कच्चा माल, तैयार माल, मशीनरी एवं दुकानों-कारखानों में रखा सामान खराब हुआ है। कई स्थानों पर उत्पादन और आवागमन भी प्रभावित हुआ है, जिससे व्यापारियों को करोड़ों रुपये का नुकसान होने की आशंका है।जिलाध्यक्ष पवन गुप्ता ने मुख्यमंत्री से मांग की कि बारिश से प्रभावित व्यापारियों एवं उद्यमियों का तत्काल सर्वे कराकर उचित मुआवजा एवं आर्थिक राहत प्रदान की जाए। साथ ही औद्योगिक क्षेत्रों में जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए नाले-नालियों की सफाई, जल निकासी एवं ड्रेनेज व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए।उन्होंने कहा कि कानपुर के व्यापारी और उद्यमी शहर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। संकट की इस घड़ी में सरकार को उनके साथ मजबूती से खड़ा होना चाहिए और तत्काल राहत पहुंचानी चाहिए।कानपुर महानगर कांग्रेस ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि प्रभावित व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र राहत पैकेज घोषित किया जाए।

उद्घाटन के 12वें दिन धंसा 4700 करोड़ का कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे

» बीपीएस न्यूज

उन्नाव। करीब 4700 करोड़ से बने हाईटेक कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे की निर्माण गुणवत्ता पर उद्घाटन के महज 12 दिन बाद ही सवाल खड़े हो गए हैं। उन्नाव के अचलगंज क्षेत्र के कोरारी टोल प्लाजा से करीब एक किलोमीटर आगे किलोमीटर संख्या 64.4 के पास लखनऊ जाने वाली लेन की सड़क लगभग सात मीटर तक धंस गई।गौरतलब है कि बीते 13 जुलाई को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सदर तहसील के झाऊखेड़ा से इस एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया था।14 जुलाई से इस मार्ग पर यातायात शुरू हुआ था। लेकिन हाल ही में हुई बारिश के कारण शनिवार को सड़क का एक बड़ा हिस्सा अचानक धंस गया। इसी बीच, एक्सप्रेसवे से गुजर रहे सपा नेता मधुसूदन यादव ने धंसी सड़क का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होते ही विभागीय अधिकारियों में हड़कंप मच गया।

मामले की गंभीरता और फजीहत देख कार्यदायी संस्था पीएनसी तत्काल हरकत में आई। एजेंसी ने आनन-फानन मौके पर जेसीबी और मजदूरों को भेजकर डामर की पुरानी परत उखाड़कर नई लेयर बिछाने का कार्य युद्धस्तर पर शुरू कर दिया है। इतनी जल्दी सड़क धंसने से संस्था की कार्यप्रणाली संदेह के घेरे में है।

करीब 4700 करोड़ से बना 63 किमी लंबा प्रदेश का सबसे लंबा एलिवेटेड एक्सप्रेसवे शुरू होते ही सवालों के घेरे में है। दावा था कि इस मार्ग से 45 मिनट में लखनऊ पहुंचा जा सकेगा, लेकिन सड़क धंसने से वाहनों की रफ्तार पर ब्रेक लग गया है। एक्सप्रेसवे का 45 किमी हिस्सा उन्नाव और 18 किमी लखनऊ में आता है।

कोरारी में टोल बैरियर के पास ही सड़क का एक हिस्सा धंस गया है, जिससे हादसों का खतरा बढ़ गया है। इसके अलावा कई अन्य जगहों पर भी खामियां आने के बाद आनन-फानन में पैचवर्क कराया गया है। यह पैचवर्क यात्रियों के सुहाने सफर में मुश्किलें पैदा कर रहा है।

पैरामेडिकल स्टाफ पर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। भारतीय बाल रोग अकादमी द्वारा मनाये जा रहे विश्व ओ.आर.एस. सप्ताह के अवसर पर प्रखर हास्पिटल आर्य नगर में पैरामेडिकल स्टाफ पर कार्यक्रम आयोजन किया गया । कार्यक्रम का संचालन डा अमित चावला , डा वी.एन. त्रिपाठी और डॉ शैलेंद्र गौतम ने किया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डा अमित चावला ने बताया कि आज भी दुनिया में 40त्न बच्चों को डायरिया का सही इलाज नहीं मिल पाता है। डायरिया एक गम्भीर बिमारी है, सम्पन्न देशों में आज भी निमोनिया के बाद डायरिया दूसरी सबसे बड़ी खतरनाक बीमारी मानी जाती है। ओ.आर.एस. घोल और ओरल डीहाईड्रेशन थेरेपी यानी ओ.आर.एस की शुरुआत सन-1978 में डब्ल्यू. एच.ओ ने उसकी उपलब्धि समान से की थी इससे डायरिया से होने वाली मौतों की संख्या में कमी पाई गई।

डॉक्टर वी एन त्रिपाठी ने बताया कि शिशुओ में होने वाले डायरिया को नजरंदाज करना गम्भीर हो सकता है यदि आप का शिशु बार बार दस्त उल्टी और पेट में ऐठन के साथ पेशाब का कम होना, मुह का सूखना, थकान चिड़चिड़ापन, धंसी हुई ऑखें खतरे के लक्षण हैं ऐसे में तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

सचिव डॉ शैलेंद्र गौतम ने इस वर्ष की थीम के विषय मे विस्तार से बताया। कार्यक्रम के अन्त में नर्सिंग स्टॉफ से ओ आर एस से संबंधित प्रश्न पूंछे गए और विजेता को पुरस्कार दे कर सम्मानित किया गया।

विधायक अमिताभ बाजपेई ने आवास पर किया 24 घंटे का सत्याग्रह, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। नीट परीक्षा पेपर लीक प्रकरण, परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता की मांग तथा दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलनरत छात्रों के समर्थन में प्रस्तावित सत्याग्रह को पुलिस द्वारा फूलबाग स्थित गांधी प्रतिमा पर नहीं होने दिया गया। कार्यक्रम स्थल पर पुलिस की रोक और बैरिकेडिंग के बाद विधायक अमिताभ बाजपेई ने अपने साथियों के साथ काकादेव स्थित आवास पर ही 24 घंटे का सत्याग्रह किया।

सत्याग्रह के समापन के उपरांत भारत की महामहिम राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन एडीसीपी अर्चना सिंह को सौंपा गया। सत्याग्रह के दौरान विधायक अमिताभ बाजपेई ने कहा कि देश का युवा केवल निष्पक्ष परीक्षा, समान अवसर और न्याय की मांग कर रहा है। प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर लगातार सवाल उठना लाखों मेहनती विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। लोकतंत्र में शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने वाले छात्रों की आवाज दबाने के बजाय उनकी बात सुनी जानी चाहिए। ज्ञापन में कहा गया कि नीट परीक्षा पेपर लीक प्रकरण से देश की परीक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्न खड़े हुए हैं तथा वर्षों की मेहनत करने वाले लाखों विद्यार्थियों एवं उनके परिवारों का विश्वास आहत हुआ है। साथ ही दिल्ली के जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे छात्रों पर हुए कथित लाठीचार्ज की निष्पक्ष जांच की मांग की गई।

ज्ञापन के माध्यम से प्रमुख रूप से मांग की गई कि नीट पेपर लीक प्रकरण की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध जांच कर सभी दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए तथा परीक्षा व्यवस्था को पूर्णतः पारदर्शी एवं सुरक्षित बनाया जाए। जंतर-मंतर पर आंदोलनरत छात्रों पर हुए कथित लाठीचार्ज एवं बल प्रयोग की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। नीट पेपर लीक प्रकरण एवं उससे उत्पन्न मानसिक तनाव के कारण आत्महत्या करने वाले छात्र-छात्राओं के परिजनों को उचित आर्थिक मुआवजा एवं सरकारी सहायता प्रदान की जाए। साथ ही केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा देने की मांग की गई।

अधिवक्ताओं ने फाड़ी संशोधन विधेयक 2026 की प्रतियां

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर के अधिवक्तागण बिना सुरक्षा बीमा इलाज पेंशन के अधिवक्ता संशोधन विधेयक धोखा है धोखा है संशोधन विधेयक 2026 वापस लो वापस लो नारे लगाते शताब्दी गेट पर पहुंचे जहां पर पं रवीन्द्र शर्मा पूर्व अध्यक्ष लॉयर्स एसोसिएशन में कहा कि रु 750 को बढ़ाकर प्रस्तावित पंजीकरण शुल्क 22500 आर्थिक कमजोर परिवारों के बच्चों को वकालत से दूर करने और कुलीन घरानों तक वकालत को सीमित करने का प्रयास है।उन्होंने कहा अधिवक्ता सुरक्षा से संबंधित एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट के प्रस्ताव के बिना संशोधन बेकार अधिवक्ता कल्याण निधि (बीमा) वरिष्ठ अधिवक्ता पेंशन योजना कितने की होगी कब होगी कोई बात नहीं युवा अधिवक्ताओं के लिए कुछ भी नहीं अधिवक्ताओं को सपरिवार कैश लेश इलाज आदि की बात के बिना ये संशोधन विधेयक रद्दी कागज है। हम इसके वापसी की मांग करते है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से कुलदीप आनंद, विजय कुमार, इशू सोनकर, भगवत प्रसाद, कुलदीप यादव, संजीव कपूर, आयुष शुक्ला, अंसार, बृजेंद्र सिंह, जितेंद्र कुमार, शिवम गंगवार, इंद्रेश मिश्रा, वीर जोशी आदि उपस्थित रहे।

बाबा बड़े दयालू हैं ओम नमः शिवायः बाबा बड़े दयालू हैं

बाबा आनंदेश्वर डेयरी एंड स्वीट्स

हमारे यहां शादी-विवाह के शुभ अवसरों पर पनीर, खोया, कच्चा छेना, मक्खन, क्रीम, दही, ग्रीन वैली मटर व शुद्ध देशी घी के आर्डर बुक किए जाते हैं।

(शुद्ध ताजा दूध हर समय उपलब्ध है)

24/11, बाबूपुरवा कालोनी, किदवई नगर कानपुर (मोबाइलः-9839625941)

29 जुलाई तक बारिश के आसार, झमाझम वर्षा से कई इलाके जलमग्न

» बीपीएस न्यूज

कानपुर।अगले कुछ दिनों तक मौसम का मिजाज लगातार बदलता रहेगा। सुबह और शाम बादलों की आवाजाही बनी रहेगी, जबकि दिन में धूप निकलने पर उमस लोगों की परेशानी बढ़ा सकती है। मौसम विभाग ने 29 जुलाई तक हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है।

कानपुर शहर और आसपास के इलाकों में मानसून पूरी तरह से सक्रिय बना हुआ है, जिससे अगले कुछ दिनों तक मौसम का मिजाज लगातार बदलता रहेगा। सुबह और शाम के समय आसमान में बादलों की आवाजाही बनी रहेगी, जबकि दिन में धूप खिलने पर तेज उमस लोगों की परेशानी बढ़ा सकती है।

मौसम विभाग ने शहर में 29 जुलाई तक हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। बीते घंटों में हुई झमाझम बारिश के कारण शहर के कई निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है और सड़कें जलमग्न हो गई हैं, जिससे राहगीरों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार अगले 24 घंटे के दौरान बादलों की आवाजाही जारी रहेगी और शहर के अलग-अलग हिस्सों में रुक-रुककर तेज बारिश हो सकती है। कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ तेज बौछारें पड़ने के भी पूरे आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक अधिकतम तापमान 33 से 34 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

सीएसए की मौसम वेधशाला के अनुसार शनिवार को शहर का अधिकतम तापमान 33.3 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी अधिक होने के कारण लोगों को वास्तविक तापमान से अधिक गर्मी और उमस महसूस हो रही है।

बदलते मौसम और लगातार हो रही बारिश व उमस का सीधा असर लोगों की सेहत पर पड़ रहा है। हैलट अस्पताल के त्वचा रोग विभाग की ओपीडी में इन दिनों त्वचा संबंधी समस्याओं से पीड़ित मरीजों की संख्या में भारी इजाफा हुआ है।

Jai Ambey Traders

ABDOMINAL BELT WARM BAG CARE-TEX OUR MISSION IS PATIENT CARE ORDER ONLINE ON amazon

COMPRESSOR NEBULIZER ARM SLING POUCH WRIST BAND THERMOMETER WRIST BINDER

STETHOSCOPE SOFT CERVICAL COLLAR KNEE CAP ELBOW SUPPORT

ARUN KUMAR ASTHANA
arunasthana32@gmail.com

7705800400, 9415728160, 9936442547 | 0512-23567401

Head Office: 19/174, Patkapur, Kanpur
Branch Office: 59/88, Shukla Market, Kanpur

अकाना होम डेवलपर्स लाया है अब आपके शहर कानपुर व उन्नाव में आसान व मासिक किस्तों पर

अकाना होम डेवलपर्स

आवासीय प्लाट

हमारी साईट :

- पाली
- सेन पश्चिम पारा
- मंझावन
- नौबस्ता आवास विकास
- रमईपुर
- जाजमऊ गंगापुर

पता- 34, सुभाष कॉम्पलेक्स, मधुलोक हॉस्पिटल चौराहा, नौबस्ता, कानपुर नगर

Mob. : 9000531538 9

साँई पेपर कप ग्लास मैन्यूफैक्चर

महेंद्र पटेल
प्रबंधक

माधुरी पटेल
डायरेक्टर

पेपर ग्लास – 55, 65, 85, 90, 100, 110, 130, 150, 200, 210, 250, 300, 330 ML खरीदने हेतु सम्पर्क करें

9919772233 7985401046

पताः- प्लाट नं. 22 जरौली फेस-2 कानपुर नगर

Since:1992

Sahu Ji Maharaj Restaurant

राजसी ठाट देसी अंदाज़

638 Y-1 ब्लाक किदवई नगर
(निकट दासू कुआं चौराहा . नौबस्ता कानपुर)

M: 8303637506
9792526852

विधायक ने परमवीर चक्र विजेता शहीद वीर अब्दुल हमीद के परिजनों का किया सम्मान

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। शहीद दिवस के पावन अवसर पर गोविंद नगर विधानसभा सीट से लोकप्रिय विधायक सुरेंद्र मैथानी ने देश के अमर बलिदानी, परमवीर चक्र से सम्मानित शहीद वीर अब्दुल हमीद के परिजनों को उनके निवास स्थान मस्वानपुर पहुँचकर सम्मानित किया। परिजनों को माल्यार्पण व अंगवस्त्र पहनाया तथा भारत के आन-बान-शान के प्रतीक अशोक स्तंभ की प्रतिकृति भेंट कर उनका अभिवादन किया।परिजनों से भेंट के दौरान विधायक सुरेंद्र मैथानी ने पूरे परिवार का कुशलक्षेम जाना और भावुक होते हुए कहा, देश के वीर सपूतों का ऋण हम कभी नहीं चुका सकते। परिवार के लिए मेरे लायक कोई भी सेवा या आदेश हो, तो उसे पूरा करने में मैं खुद को अत्यंत गौरवान्वित महसूस करूँगा।?इस अवसर पर विधायक जी ने दो महत्वपूर्ण घोषणाएँ कींमस्वानपुर स्थित इस मार्ग का नामकरण वीर अब्दुल हमीद मार्ग किया जाएगा।

शहीद की स्मृति को अक्षुण्ण रखने के लिए क्षेत्र में एक भव्य वीर अब्दुल हमीद द्वार÷ का निर्माण कराया जाएगा। इस दौरान शहीद वीर अब्दुल हमीद के पारिवारिक जन–बहु फरीदा नसरीन, पुत्र सलीम जावेद, पुत्र शाहनवाज आलम तथा पुत्र हसन नवाज उपस्थित रहे। इसके साथ ही संगठन के जिला महामंत्री प्रमोद विश्वकर्मा, सेक्टर अध्यक्ष जगत नारायण ठाकुर, बूथ अध्यक्ष संतोष कुमार, महामंत्री मनोज, गंगाराम कश्यप सहित क्षेत्र के सभी बूथ अध्यक्ष एवं मंडल अध्यक्ष भी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

स्वामी जगन्नाथ की विदाई रथयात्रा में हुई पुष्प वर्षा, जगह-जगह हुआ स्वागत

कानपुर । जनरलगंज स्थित प्राचीन श्री स्वामी जगन्नाथ महाराज बिरजी भगत मंदिर से रविवार को भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की भव्य विदाई यात्रा श्रद्धा और उत्साह के साथ निकाली गई। श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर प्रभु का स्वागत किया। इस दौरान जय जगन्नाथ, जय जगन्नाथ...के जयघोष हुए। यात्रा के दौरान रंगारंग झांकियां भी निकलीं।प्रातःकाल विशेष पूजन और शृंगार के बाद भगवान को रजत मंगलगिरी में विराजमान कराया गया। बाल भोग के उपरांत माखन, मिश्री, हलवा और पकौड़ी का प्रसाद वितरित किया गया, जबकि दोपहर में महाप्रसाद के रूप में कढ़ी-चावल, परवल-आलू की सब्जी, रोटी, चटनी और खीर बांटी गई। एडीसीपी (पूर्वी) शिवा सिंह ने रजत रथ की आरती कर विदाई यात्रा का शुभारंभ किया।

निवेश के नाम पर 10.41 लाख की साइबर ठगी, युवती को व्हाट्सएप ग्रुप से जोड़ा फिर झांसा देकर कराया निवेश

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। फॉरेक्स ट्रेडिंग और शेयर बाजार में अधिक मुनाफा दिलाने का झांसा देकर एक युवती से 10.41 लाख रुपये की साइबर ठगी कर ली गई। ठगों ने खुद को सेबी रजिस्टर्ड कंपनी का प्रतिनिधि बताकर युवती को व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा। फर्जी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के जरिये निवेश कराया। जब युवती ने निवेश की रकम निकालने का प्रयास किया तो उससे 50 हजार डॉलर टैक्स जमा करने की मांग की गई।

पनकी बी ब्लॉक निवासी ठाकुर प्रसाद ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि बेटी पूजा वर्मा के व्हाट्सएप पर मई 2026 को विदेश के नंबर से विराट शर्मा नामक व्यक्ति का संदेश आया। उसने खुद को फॉरेक्स ट्रेडिंग और शेयर मार्केट का सलाहकार बताते हुए कम कीमत पर शेयर और आईपीओ उपलब्ध कराने तथा अधिक मुनाफा दिलाने का दावा किया। पूजा को एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ दिया गया जहां लगातार ट्रेडिंग टिप्स देकर निवेश के लिए प्रेरित किया जाता था।

ठगों के भेजे लिंक से एप डाउनलोड करने पर कोर ट्रेड नाम से ट्रेडिंग अकाउंट दिखाई देने लगा। ग्रुप में निवेश कराया गया। पीड़ित के अनुसार 16 जून से 21 जुलाई के बीच एसबीआई की पनकी शाखा स्थित संयुक्त खाते से अलग-अलग बैंक खातों में कुल 10,41,649 रुपये ट्रांसफर किए गए।

21 जुलाई को जब रकम निकालने का प्रयास किया गया तो टैक्स जमा करने की शर्त रखने का पर ठगी का अहसास हुआ। साइबर इंस्पेक्टर सतीश यादव ने बताया कि रिपोर्ट दर्जकर जांच की जा रही है।

नेपाल घूमने की चाहत और बाइक खरीदने के मूड में बन गए चोर, 1.29 करोड़ की चोरी में 16 पकड़े गए

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। शहर कोतवाली क्षेत्र के रेलवेगंज निवासी थोक व्यापारी के मकान से 16 जुलाई की रात हुई चोरी का खुलासा पुलिस ने कर दिया है। 14 लोगों को गिरफ्तार कर एक करोड़ 28 लाख 99 हजार 310 रुपये बरामद किए गए हैं। दो किशोर भी इसी मामले में पकड़े गए हैं। सात साल पुराने भरोसेमंद नौकरों ने साथियों के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया था।

रेलवेगंज निवासी पंकज अग्रवाल परचून और दाल-चावल के थोक व्यापारी हैं। उनके मकान में भूतल पर कार्यालय और गोदाम है। दूसरी मंजिल पर परिवार समेत पंकज रहते हैं। बीती 17 जुलाई की सुबह जब पंकज जागे तो उनके यहां सात साल से काम कर रहे पेड़ा निवासी शोभित और दो नाबालिक गायब मिले। यह लोग उनके घर में ही सोते थे। इसके बाद ही अलमारियां टूटी मिली थीं और रुपये गायब थे। पुलिस ने 17 जुलाई को प्राथमिकी दर्ज की थी। एसपी अशोक कुमार मीणा ने घटना का खुलासा करने के लिए सीओ सिटी अजीत चौहान के नेतृत्व में कई टीमें लगाई थीं।

एसपी ने बताया कि पूरे मामले में देहात कोतवाली क्षेत्र के पेड़ा निवासी शोभित, टड़ियावां थाना क्षेत्र के बेलहा निवासी जय शुक्लाा और विशाल उर्फ गोलू, शहर कोतवाली क्षेत्र के नघेटा पूर्वी निवासी मदन, शिवम और केशव, जमादार कालोनी निवासी सनी वाल्मीकि, बेहटागोकुल थाना क्षेत्र के कोड़रा सरैया निवासी प्रिंस, लखनऊ जनपद के मड़ियाव थाना क्षेत्र के हरिओमनगर निवासी दीपक साहू, सनी गुप्ता, बाराबंकी जनपद के सूरतगंज निवासी महफूज समेत 16 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें दो किशोर भी हैं। बताया कि एक करोड़ 28 लाख 99 हजार 310 रुपये बरामद हुए हैं। आरोपियों का मेडिकल कराया गया है। पकड़े गए 16 में से 14 लोगों को न्यायालय ने जेल भेज दिया, जबकि दो को बाल संप्रेक्षणग्रह भेजा गया है।

सीओ सिटी अजीत चौहान ने बताया कि गिरफ्तार किए गए दो किशोर व्यापारी के घर में ही काम करते थे। कुल पकड़े गए 16 में से 13 लोग या तो ऑटो चलाते हैं या तो मजदूरी करते हैं। नघेटा पूर्वी निवासी शिवम ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि वह नेपाल जाना चाहता था। नेपाल में कई बीयर और डिस्को बार के साथ विदेश घूमने की चाहत में वह पूरे खेल में शामिल हो गया और अब सलाखों के पीछे पहुंच गया। इसी तरह बाराबंकी निवासी महफूज उर्फ लाली लखनऊ में ऑटो चलाता है। उसे जल्द से जल्द अमीर बनने की चाहत थी। यही वजह रही कि वह इस घटना में शामिल हो गया। गिरफ्तार किया गया लखनऊ निवासी सनी गुप्ता भी ऑटो चलाता है। उसे नई बाइक खरीदनी थी और इसके कारण ही वह घटना को अंजाम देने में शामिल हो गया।

नशीला पदार्थ मिला दिया था खाने में, इसके बाद घटना को दिया अंजाम

पूछताछ में शोभित ने पुलिस को बताया है कि पंकज के घर में हर वक्त कई करोड़ रुपये रखे होने की जानकारी उसे थी। साथ के दोनों नाबालिगों को भी इस बारे में पता था। शोभित ने तीन अन्य लोगों से इसकी चर्चा कर पूरी रणनीति बनाई। 16 जुलाई की रात में पंकज अग्रवाल के खाने में नशीला पदार्थ मिला दिया। उनके परिजनों के खाने में भी नशीला पदार्थ मिलाया गया। जब सब लोग सो गए या यूं कहें कि बेहोश हो गए तो आरोपियों ने घटना को अंजाम दे दिया। दो किशोर समेत तीन लोगों ने मकान के अंदर से रुपये निकाले थे और इसके बाद बाहर खड़े तीन लोगों के साथ मिलकर यह लोग भाग गए थे। रुपयों से भरा बैग एक दूसरे को देकर चेन से चेन जोड़ते रहे और बाद में झोला भी बदल लिया था।

जब औलाद ने छोड़ा साथ, तो कानून ने थामा हाथ!

सच्ची कहानी, अंक- 4

बीपीएस न्यूज़ की बुजुर्गों के अधिकारों पर विशेष सामाजिक जागरूकता मुहीम (भाग- 4)

प्रिय पाठकों, आज की आधुनिक और भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर उन हाथों को भूल जाते हैं, जिन्होंने हमें चलना सिखाया। समाज में बुजुर्गों के साथ बढ़ती उपेक्षा और अकेलेपन को देखते हुए 'बीपीएस न्यूज़' एक नई मुहिम चला रहा है। भारत सरकार द्वारा बनाए गए 'माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007' की संपूर्ण जानकारी हम हर हफ्ते किस्तों में आप तक पहुँचा रहे हैं। हमारा उद्देश्य केवल कानून बताना नहीं, बल्कि हर बुजुर्ग को उसका हक और हर नागरिक को उसका कर्तव्य याद दिलाना है। आइए, इस मुहिम से जुड़ें और जागरूक बनें।

अंक 4:जब संतान न दे भरण-पोषण भत्ता:- जेल की हवा खाएंगे कलयुगी बच्चे, जानिए कानूनी कार्रवाई की पूरी प्रक्रिया गणित

माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक अधिनियम 2007: आदेश के बावजूद भत्ता रोकने पर ट्रिब्यूनल जारी करेगा गिरफ्तारी वारंट

वृद्ध माता-पिता की सेवा और भरण-पोषण करना न केवल नैतिक जिम्मेदारी है, बल्कि कानूनी बाध्यता भी है। अक्सर देखा जाता है कि एसडीएम कोर्ट (भरण-पोषण अधिकरण) द्वारा आदेश जारी किए जाने के बाद भी कुछ बच्चे अपने बुजुर्ग माता-पिता को तय किया गया मासिक भत्ता देने में आनाकानी करते हैं या जानबूझकर देरी करते हैं। ऐसे मामलों में कानून में सख्त दंडात्मक प्रावधान किए गए हैं।

1. भत्ता न देने पर क्या है सजा का प्रावधान?

माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 के तहत यदि ट्रिब्यूनल के आदेश के बाद भी संतान समय पर मासिक भत्ता नहीं देती है, तो उसके खिलाफ निम्नलिखित सख्त कार्रवाई की जाती है

गिरफ्तारी वारंट:-भत्ते की रकम न चुकाने पर अधिकरण (SDM Court) संतान के खिलाफ रिकवरी वारंट या गिरफ्तारी का वारंट जारी कर सकता है।

प्रत्येक माह के लिए जेल:-भत्ते का भुगतान न करने की स्थिति में बकाया रकम के बदले प्रत्येक माह की लापरवाही पर 1 महीने तक की जेल (कारावास) की सजा सुनाई जा सकती है।

संपत्ति की कुर्की :- यदि संतान जेल जाने के बाद भी पैसे नहीं देती है, तो प्रशासन उसकी संपत्ति या वेतन (Salary) को जब्त/कुर्क करके बुजुर्गों के भरण-पोषण की भरपाई करवा सकता है।

2. यदि संतान आदेश का पालन न करे, तो बुजुर्ग क्या करें?

यदि ट्रिब्यूनल का आदेश होने के बावजूद बच्चा/वारिस पैसे नहीं दे रहा है, तो बुजुर्गों को दोबारा किसी लंबी मुकदमेबाजी में पड़ने की जरूरत नहीं है।

रिकवरी आवेदन:-बुजुर्ग सीधे उसी एसडीएम/ट्रिब्यूनल में एक आवेदन देकर सूचित कर सकते हैं कि अदालत के आदेश का पालन नहीं हो रहा है।

पुलिस की भूमिका:- ट्रिब्यूनल का वारंट मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह दोषी संतान को गिरफ्तार कर अदालत के सामने पेश करे या बकाया राशि जमा करवाए।

बीपीएस न्यूज़ -सच्ची कहानी अस्पताल व उपचार केंद्र

एसडीएम कोर्ट से बुजुर्ग पिता को मिला न्याय:- सुलह अधिकारी ने कराई घर में शांति, सुधरे रिश्ते

कानपुर। बुढ़ापे में जिस उम्र में सहारा चाहिए होता है, उसी उम्र में अपनों के अत्याचार से जब एक 80 वर्षीय बुजुर्ग का जीवन दूभर हो गया, तो उन्हें न्याय की चौखट खटखटानी पड़ी। थाना सेन पश्चिम पारा क्षेत्र के निवासी और शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त एक बुजुर्ग पिता ने अपने अधिकार और सम्मान की लड़ाई के लिए एसडीएम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। हालांकि, वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण कानून और प्रशासनिक सूझबूझ की बदौलत इस पारिवारिक कलह का एक सुखद अंत हुआ है।

दर्द की दास्तान:- अपनों ने ही दिया धोखा

पीड़ित बुजुर्ग ने अपनी गाढ़ी कमाई और रिटायरमेंट के पैसों से अपना मकान बनवाया था। लेकिन उम्मीदों के विपरीत, उनके बड़े बेटे और बहू ने उन्हें मानसिक, शारीरिक और आर्थिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया।बुजुर्ग का आरोप था कि बड़ा बेटा और बहू उन्हें खाना-पीना तक नहीं देते थे, मारपीट करते थे और उनका एटीएम कार्ड छीनकर जमा पूंजी निकाल लेते थे। अपनों की इस प्रताड़ना को देखकर छोटा बेटा भी गलत राह पर चल पड़ा। वह शराब पीकर घर आता, गाली-गलौज करता और सेवा करने के बजाय विवाद खड़ा करता। अत्यंत दयनीय स्थिति में जीवन यापन कर रहे इस बुजुर्ग ने आखिरकार 'माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007' के तहत एसडीएम कोर्ट में याचिका दाखिल की।

सुलह अधिकारी का रुख:- डांट भी लगाई और दिल भी जोड़े

मामला जब कोर्ट में पहुंचा, तो सुलह अधिकारी धीरेंद्र कुमार दोहरे ने पूरे धैर्य और संवेदनशीलता के साथ दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं। कुछ तारीखों पर सभी पक्षों को आमने-सामने बुलाकर बात की।

सुलह अधिकारी ने कानून के कड़े प्रावधानों का अहसास कराते हुए बड़े बेटे, बहू और छोटे बेटे को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि बुजुर्ग माता-पिता के अधिकारों का हनन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन के इस सख्त रुख और समझाइश का असर यह हुआ कि तीनों को अपनी गलती का अहसास हो गया।

फैसले में बनी बातः- किराए पर जाएगा बड़ा बेटा, छोटा करेगा सेवा

सुलह अधिकारी की मध्यस्थता से मामले में ऐतिहासिक और सुखद समझौता हुआ।

बड़े बेटे और बहू का फैसला:- समझौते के तहत बड़ा बेटा और बहू 1 सप्ताह के भीतर बुजुर्ग पिता का मकान खाली कर अलग किराए के मकान में रहने चले जाएंगे। बड़े बेटे ने अपनी गलतियों के लिए माफी मांगते हुए समझौते को सहर्ष स्वीकार कर लिया।

छोटे बेटे का हृदय परिवर्तन:-छोटे बेटे ने कोर्ट के सामने पिता से माफी मांगी और शपथ ली कि वह अब कभी शराब नहीं पिएगा। उसने पिता के खाने-पीने, कपड़े, इलाज और सभी सुख-सुविधाओं की पूरी जिम्मेदारी ली।

पिता का बड़प्पन:- बुजुर्ग पिता ने दरियादिली दिखाते हुए छोटे बेटे को माफ कर दिया और उसे अपने साथ ही रखने पर सहमति दे दी।?

सुलह अधिकारी धीरेंद्र कुमार दोहरे ने बताया

वरिष्ठ नागरिक अधिनियम 2007 के तहत पीड़ित बुजुर्ग हमारे पास न्याय की उम्मीद लेकर आए थे। हमने दोनों पक्षों की बात सुनी। बड़ा बेटा-बहू किराए पर अलग रहने को राजी हुए हैं और छोटे बेटे ने सुधरने की कसम खाई है। कानून का मकसद सिर्फ सजा देना नहीं, बल्कि रिश्तों में सम्मान और सुरक्षा बहाल करना है।

बीपीएस न्यूज़ की सीख

'माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम 2007' की जागरूकता श्रृंखला के अंतर्गत 'बीपीएस न्यूज' लगातार ऐसी घटनाओं को प्रमुखता से उठा रहा है। यह सच्ची घटना समाज के लिए एक नजीर है कि कोई भी बुजुर्ग खुद को बेबस न समझे–कानून और प्रशासन हमेशा उनके सम्मान की रक्षा के लिए खड़ा है।

अगले हफ्ते (अंक-5) ज़रूर पढ़ें:-

कोर्ट-कचहरी के चक्कर लगाना भूल जाइए- सादे कागज पर कैसे लिखें SDM को आवेदन? जानिए पूरा तरीका साथ ही अगली नई सच्ची कहानी अगले हफ्ते केवल बीपीएस न्यूज़ पर।

मदद के लिए यहाँ संपर्क करें: राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक हेल्पलाइन (Elderline):- **14567** (टोल-फ्री नंबर)

नज़दीकी सहायता:- अपने क्षेत्र के उप-विभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) कार्यालय या स्थानीय पुलिस स्टेशन से संपर्क करें।

बीपीएस न्यूज (साप्ताहिक समाचार पत्र)

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्टा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओ की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनो के अंदर भेजे।